॥ श्रीः ॥

नरसीजीको माहेरो.

पं० संतूरामजी सुन्दरमलजीने

उसीको

पं० श्रीधर शिवलालजीकी

आज्ञासे एकावृत्तिके लिये पं० जनक प्रसाद वाजपेयी के प्रबंधसे ज्ञानसागर छापाखानेमें छपवाया.

पञ्चमावृत्तिः कॉपी ५०००

संवत् १९६९

श्रीगणेशायनमः।

अथ नरसीजीकोमाहेरो प्रारंभ।

मंगलाचरण।

दोहा—श्रीगणेश सुमिरन करूं, शारदा मात मनाय।
नरसी मेहता मायरो, पढौ सुजन चितलाय ॥ १ ॥
जोजन पढि हैं याहिको, सुखमिलिहैं अधिकाय।
नरसीकी है जिमि कथा, वर्णौं अति सुखदाय ॥ २ ॥

॥ चौपाई छंद ॥

आज्ञा गुरुगोविंदकी पाऊं, नरसीकथा यथामति गाऊं ॥
नागरबंस बडे आचारी, जूनागढ गुजरात मझारी ॥ १ ॥
शिवकीमहिमा बहुत बखानै, बिष्णुभक्त सुपनै नहिं जानै ॥
गोधनवृषभ बिभव अतिभारी, रथशिविका गज बाज सवारी॥२॥
बहु गुमासता सेवकदासा, लक्ष्मी बसै सदा तिन पासा ॥
जाझांचलै दिसावर जावें, कर बेपार माल बहु ल्यावें ॥ ३ ॥
अरबपती धन का नहिंपारा, गहणा राखो देय उधारा ॥
परम्परा सरिद्ध चलिआई, कबहुन खूटी सदा सवाई ॥ ४ ॥
पुरुषा सकल भये बडनामी, यश कीरत जगमैं बहुजामी ॥
नरसी लग्न भयो तिहिबारा, ताकूं द्रव्य लग्यो लखचारा ॥ ५ ॥
प्रथम व्याह नरसीजी ताके, कन्या पुत्र भये दोय जाके ॥
भई शांति त्रिय और बिबाई, बरस बत्तीस अवस्था आई ॥ ६ ॥
पुत्री नगर अंजार बिव्हाई, बडी बरात धूम सों आई ॥

उभय लक्ष तेहि मांहि लगाये, सोभा सहित सकल मनभाये ॥७॥
अगणित द्रव्य भरे भंडारा, कबहुँन खूटै अंत न पारा ॥
पूजै अतिथि करै नितप्रीती, तिनकी सदाकाल यह रीती ॥ ८ ॥
साधू भक्त बहुत चलिआवैं, सदाबरत नितनेम दिरावैं ॥
एक दिवस मंडलि चलिआई, उतरै पौलि मांहि रुचिपाई ॥ ९ ॥
कथा कीरतन हरियश कीन्हा, नरसी सुनै श्रवणचितदीन्हा ॥
चरचा सुनीभर्म सबभाग्या, पिगल्यामन निज तन सबजाम्या॥१०
हिरदा शुद्ध भया तबचीना, पायाज्ञान प्रेम रस भीना ॥
कृष्णभक्ति दृढभई सदाई, नरहर गुर किरपातै पाई ॥ ११ ॥
दोहा—लहरउठी बैरागकी, कर्मभये चकचूर ।
काम कामना सब मिटी, भगे मोह सबदूर ॥ १ ॥
दीनो द्रव्यलुटाय सब, मास दवादस माहिं ।
देसदेसांतर सबसुनी, हुंडीचालैनाहिं ॥ २ ॥
गहणा कपडा बेंचकै, भक्तन दीन खवाय ।
थित बित बासण और कछु, सूंजहुती घरमांय ॥ ३ ॥
निरउद्यम निरदुंदव्है, धरयोभक्त को भेस ।
दंभ रहित हरिहर भजै, चतुराई नहिंलेस ॥ ४ ॥
निहकामी निसकपट व्है, निजानंद पदनेह ।
शिवपूजन परसन्नभे, कह्यो मांग कछु लेह ॥ ५ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

श्रीगणपत की आज्ञा पाऊं ॥ हरिभक्तनको मैं यशगाऊं ॥ गुरु चरणों में सीस नमाऊं॥सारद पै सुमती जो पाऊं॥मैं तो शिवही शिवकूं ध्याऊं॥जलसों नित स्नान कराऊं ॥१॥ टेर ॥ मैं तो चावल चंदन चढाऊं ॥ आक धतूरा लाऊं ॥ मुख घड घड गाल बजाऊं॥ याते हड हड नाथहँसाऊं ॥ २ ॥ टेर ॥ एजी मैं तो सूरज ध्यान

लगाऊं॥ ले केलापत्र चढाऊं॥ मैं तो जसधारा बरसाऊं॥ अगड बंब बंब मुखगाऊं॥३॥ टेर॥ प्रसन्न भए शिवराजा॥ बर मांग मांग सारूं काजा॥ मोको और कछूना चहिये॥ श्रीराधाकृष्ण मिलइए॥४॥ टेर॥ धन नरसी बुद्धि तिहारी॥ तै तो बर मांग्यो अतिभारी॥ ऐसी बुद्धि औरको पावै॥ हरिभक्तनकूं हरि भावै॥६॥

॥ चौपाई ॥

मांगू कहा कछू नहिं चहिये, प्रभु मोहि राधाकृष्ण मिलइये॥
सुनत प्रसन्न भये त्रिपुरारी, नाचत हाथ बजावत तारी॥
धन्य धन्य बोले शिवबाणी, नरसी की निजभक्ति पिछानी॥
गवने संग सखालै धाये, नरसी कूं गोलोक दिखाये॥

॥ पदरागकाफी ॥

जो पहुँचे गोलोक वृंदावन, नरसी रास रचायोहै॥ टेर॥ पायघूंघरू घमक बजावैं प्रेम गमन गुणगायो है॥ मृदंगताल शंख धुनिसोहै झालर, बीण बजायो है॥१॥ टेर॥ तान मान सुरताल भेद तज, अद्भुत नाच दिखायोहै॥ भये प्रेमबश थकित देवसब, उनमुन ध्यान लगायो है॥२॥ टेर॥ रहे चित्र सम हलत चलतना, प्रेमप्रीत रसपायो है॥ नैन सैन मुखबैन मुदितमन, हरष २ छबिछायो है॥३॥ टेर॥ हरिपूंछै हरसौंमुखमुलकत सखा कहांते आयो है॥ घरगुजरात बास जूनैगढ नरसी नाम कहायो है॥४॥ टेर॥ शिवके बचन सुनत करुणानिधि नरसी कंठ लगायो है॥ रीझे हरी दियो केदारो नागरि ये यशगायो है॥५॥

दोहा—आपसमें आढत पडी. पकी भई पिछाण।
कागद दीज्यो द्वारिका, सांवल साह सहनाण॥ १॥

प्रथमहि ले हुंडी लिखी, सो प्रभुदीन शिकार ।
राणी होय पाणीपयो, दियो गलाको हार ॥ २ ॥
मण्डलीक राजानिव्यो, जाण नरसियो संत ।
भक्तनके कारजप्रभू, ऐसे किये अनंत ॥ ३ ॥
असरण सरण दयानिधि, दीनबंधु महाराज ।
सुखसारण भजिये सदा, प्रभुसारै सबकाज ॥ ४ ॥

इतिश्री भक्तवत्सल बिडदरागकौतूहल नरसीजी मेहताको माहेरो प्रथमप्रकाशः ॥ १ ॥

दोहा—नरसीजीकी डीकरी, नानीबाई नाम ।
व्याही श्रीरंगके घरां, नगर अँजारसुग्राम ॥ १ ॥
जासु सुताके लग्नको, श्रीरंगकियो उछाव ।
न्यौते सकल बिरादरी, नागरकुल को भाव ॥ २ ॥
माघकृष्ण भृगुसप्तमी, कूंकूपत्र लिखाय ।
भाईबंद भेला हुवा, जाजमदई बिछाय ॥ ३ ॥
प्रथम लिखो गणईशकूं, पुनि जूनागढ जान ।
तापीछे सब जातमें, अरु सब जाण पिछान ॥ ४ ॥
पंचलिखी बहुपत्रिका, गवने निज्ञु निज्ञु धाम ।
देण लगे काशीदकूं, लैलै सबको नाम ॥ ५ ॥
नरसीजीकी पत्रिका, बिप्रकोकल्यां हाथ ।
जूनैगढ अतिबेगतें, लेकर आज्यो साथ ॥ ६ ॥

॥ चौपाई ॥

कूंकूंपत्र हाथ में लयो, नानीबाई सूं मिलबा गयो ॥
जाय कोकल ऐसी कही, जूनागढहूं जासू सही ॥ १ ॥
सुनकर मतो कियो पर वार, नरसी आयां करे खुवार
मोडियो संख बजावत आसी, लोग करेगा अपणी हांसी ॥२॥

ऐसी करो सकल मन भावै, नरसी जूनागढ रहिजावै ॥

तबै डोकरी मतो उपायो, लघूपुत्र नारायण बुलायो ॥ ३ ॥
कहै डोकरी भेद बतावै, नरसी अपणो द्वार न आवै ॥
अनमिल सौंज मंगावो भाई; उनकूं मिलै न अपने आई ॥ ४ ॥

॥ रागमारूसोरठकोपद ॥

सासू नणद दौराणी जिठाणी ॥ सबमिलबैठी आयके ॥ द्वात कलम कागद मंगवाये ॥ लेखक लये बुलायके ॥ १ ॥ सवापचीस मण लिखो सुपारी ॥ सवा पचीसमण रोरी ॥ सवा पचीसमण लिखो कलेवा ॥ ओर मेवाकी बोरी ॥ २ ॥ हजारथान में सुदी लिखदो ॥ साल दुसाला कापडा ॥ ठ्ठाकरै नरसीरा ब्याही बखतावरछै बापडा ॥ ३ ॥ असीहजार तो मोरा लिखदो ॥ क्रोडरुर पैया रोकडी ॥ कागदमें दोय भाटा लिखदो ॥ यूं उठबोली डोकरी ॥ ४ ॥ भगत बछल हरि सारै सबकाज ॥ नानीबाईरा माहेरारी ठाकुरजीने लाज ॥ सीतारामजीने लाज ॥जैजैनारायणहरी॥५॥

॥ पदरागसोरठ ॥

नानीबाई बोलीथेतो लिखोईईती ॥ ह्मारातो सुसरारे घरआ ज्योही मती ॥ ह्मारीतौ सासूजीने माहेरारी खात ॥ माहेरो जूडै तोलेकर आजो भलीभांत ॥ १ ॥ इतरो सन्देसो ह्मारोकहिदीज्यो जोसी ॥ माहेरा बिनातो थारी हांसीई होसी ॥ आगैतो किरया

वर थारै मोटाई किया, दोवड तेवड दातह्मानै दायज दिया ॥ २ ॥ माहेरा की बोला आईबखत करूर ॥ आवणी हूवैतो खरची लाज्यों भरपूर ॥ सूरतकी बरातआसी बरौटी देसी ॥ माहेरो भरसो तो भात थाकनै लेसी ॥ ३ ॥ नेग चोगन चूडो चूनडो घोडचडी चडसी ॥ इतरोतो किरयोवरथाने करणीई पडसी ॥ ४ ॥ भगतबछ्लहरि सारैसबकाज ॥ नानीबाईर माहेरारी ठाकुरजीनेलाज ॥ सीताराम जीनैलाज जैजैनारायण हरी ॥ ५ ॥

दोहा– घरकोबामण कोकल्यो, श्रीरंगलयो बुलाय ॥
पहिली दीनी पत्रिका, यों कागद लेजाय ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

घरकोबिरामण लियोछे बुलाय ॥ कूंकूंपत्र लेय पांडे जूनागढ जाय ॥ टेर ॥ ह्मारातो सगानै जोसी रामराम कहिज्यो ॥ एक तो दिहाडो मेतानरसीके घररेज्यो ॥ खरचीतो लेरबामण बिदाज्ञ भयो ॥ जिणिदिनतो डोकरियों बैठ बाजारां रयो ॥ १ ॥ टेर ॥ दूजे-दिनतो चाल्यो जोसी कर कर मनमें रोस ॥ बागांताई पोच्योजि-णरो किणनै दीजे दोष ॥ बूढलोबिरामणथाकोसूतोरवूटी ताण ॥ आकासासूं आयो सिरीठाकुरको बीवाण ॥ २ ॥ टेर ॥ ऐसाबूढा ब्राह्मणऊपर कियोउपकारजी ॥ छिनमैं पहुँचायो जूनागढके बाजार ॥ सारीबदतीका तुम कीज्यो उपकारजी ॥ मानैतो बतादो मेतानरसीजीको दवारजी ॥ ३ ॥ टेर ॥ आमासामा ओं-बरानै तिलक मणडयाजी ॥ सुरजसामी पोल मैतानरसीकी पांडया जी ॥ पांडयाजीतो जायपौलीमांयनै धस्याजी ॥ बठोडा साधू-डा हडहडहीं हस्याजी ॥ ४ ॥ टेर ॥ मानदास अरुध्यान क मनमै पांडयो भायोजी ॥ ज्ञानदासजी बोल्या योतो निवतो देवण आयो ॥ आखड गयो जोसीजी उलूजगई धोत

.जा ॥ साधूडा जाणैछै पांड्यौ करैछै दंडोतजी ॥ ५ ॥ टेर ॥ पाछो फिरकर नरसी बोल्यो क्यानै चोढो भारजी ॥ कूंकूंपत्रील्या यो रुछुं नगर अंजारजी ॥ बूढल्यो बिरामणबोल्या कूंकूंपत्री ल्योजी ॥ रसोई करालां मानौ आटो सीदो द्योजी ॥ ६ ॥ टेर ॥ देवानै लेवानै जोसी रामजीको नांवजी ॥ तुलसीजीकी माला सेवासालगराम ॥ रसोई नै लेजा बामण रामजीको नामजी ॥ तुलसीदल लेजातनै चावे टुकडादाम ॥ ७ ॥ टेर ॥ ह्याकातो रसोबडाको ओईछे सरोजी ॥ मोठीवाला लेल्यो बैठ्या भजनक-रोजी ॥ कूंकूंपत्री बांच नरसी मगन भयाजी॥ ह्यानै ह्याका ब्याई भनालाद तो कियाजी ॥८॥टेर॥घरमैं सूं बोली मैता नरसी जीकी नारजी ॥ कूंकूंपत्री झेलण मोड्यो व्हैगयो तयार ॥ थांका तो घरमै छै आगे अन्नकीज्यो भूखजी ॥ कीसूथे करोला माहेराकी ज्यो सलूकजी ॥ ९ ॥ टेर ॥ थारांतो घरमाहे नहीं पावही जवांरजी ॥ माहेरो भरणने मोड्यो होगयो तयार ॥ टाबरिया गरलावै रोवै मागैछै रोटीजी ॥ गावका आटासुवामण करदीया खोटी ॥१०॥ ॥ टेर ॥ वोली रैजा चुपकी रैजा घरकीतूं नारजी ॥ तोन्है ह्यारा माहेरारो कांई आयोभार ॥ साधूडा की टैरकरजो चालो ह्याकी लारजी ॥ माहेरो भरैलोह्यारो सिरजनहार ॥ ११ ॥ टेर ॥ भग-

वतबछलप्रभु सारैसबकाजजी ॥ नानीबाई माहेराकी ठाकुर जीनैलाज ॥ सीतारामजीनै लाज जैजैनारायणहरी ॥ १२ ॥

दोहा—सुण हाक्यो बाक्यो रहो, मनमै करै बिचार।
श्रीरंग कीनी मसकरी, मोकलियो इणद्वार ॥ १ ॥
कोकलियो कुरलायकर, पड्यो धरणि मुरझाय।
मुख पूंछ सैलाय कर, नरसी कंठलगाय ॥ २ ॥
भौचाल्यौ भूको मरूं, तैनहिं दीनो चून।
श्रीरंग कीनी मसकरी, जरघोजात मम खून ॥ ३ ॥
नरसीजी तूंबो दयोथे, आटो लागो मांग।
इंधण लावोआवतां, मारे नहीं लूणको सांग ॥ ४ ॥
पत्री तुलसीपत्रधर,, कर चन्दनको लेप।
चल्योदेन श्रीकृष्णको, बिप्रमान मन छेप ॥ ५ ॥
पंथद्वारिक पीपली, धरी पत्रिकाजाय।
नरसीजी पीछा फिरया, यदुपति लई उठाय ॥ ६ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

सगारां कागद आयाछै जी सांवल साय ॥ टेर ॥ मैतानरसीनैतो कोईनहिं जाणै थानै मारा जाणैछै सहाय ॥ मैता नरसीरेदोहेती जनमी नगर अंजारविवहाय ॥ १ ॥ टेर ॥ मैतानरसीकी करुणा सुनकर आकासबाणी सुनाय ॥ नागरिया कांई सोचकरों छो हरीभक्तनकी सहाय ॥ २ ॥ टेर ॥ भगतवछलप्रभु सारै सबकाजजी ॥ नानीबाईरा माहेरारी ठाकुरजीनैलाज ॥ सीतारामजीनै लाज जैजै नारायणहरी ॥ ३ ॥

दोहा—वाणीसुन परसनभयो, मनमै धीरज धार।
नानीबाईरोमाहेरोरी, भरसी सिरजनहार ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

नानीबाईरा माहेरारो भाई जसलोजी ॥ माहेर चलांछा बीरा-

गाडीव्हैतोदो ॥ १ ॥ टेर ॥ गाडीतो हूतीरै नरसी देताती खरी ॥ पैडा वाका टूटगयाछै पिछवाडै परी ॥ २ ॥ टेर ॥ पाडोसी उठबोल्यो पैडाहूंतातो खडरा ॥ पूठ्यांवारी फाटगीनै टूटग्या अरा ॥ ३ ॥ टेर ॥ बीणन चूणन नरसी भेलातो किया ॥ गाडुली तो मिलगी बैल्यां मागणा रया ॥ ४ ॥ टेर ॥ नानी बाईरा माहेरारो भायांजसलोजी ॥ गाडोलीतो मिलगी बीरांबलदद्याव्हैतो दो ॥ ५ ॥ बैल्या तोहूतारे नरसी देतातों खरा ॥ नाथां वांकी-खोलखीवे गोरवेपडा ॥ ६ ॥ टेर ॥ ऊठोभाई बैलियाथे भजो रामरामजी ॥ नानीबाईरा माहेरारो सारदीज्यो काम ॥ ७ ॥ टेर ॥ नानीबाईरा माहेरारो कारज करोजी ॥ दोयचार दसदिन पाछेही मरो ॥ ८ ॥ टेर ॥ नानीबाईरा माहेरारो साददीज्यो काजजी॥ थांकातो मरबाका दिन नहिंबीराआज ॥ ९ ॥ टेर ॥ पूछडा पकड नरसी खडातो कियाजी ॥ टूटा भागा सींधरा सुपकडलीया ॥ १० ॥ टेर ॥ टूटीमिलगी गाडोलीने बोदामिलग्या जंतजी ॥ बैलियाका मुखडामाही डाढ नदंत ॥ ११ ॥ टेर ॥ नरसीजी फिरैछै अबै भायांके दुवारजी ॥ माहेरेचालणने बिरांव्हैजा जो तैयार ॥ १२ ॥ टेर ॥ ह्मारा तो घरमें नरसी घणोइछे कामजी ॥ सूरघास्याम्री लेज्या थारे भजे रामाराम ॥ १३ ॥ टेर ॥ नानी बाईरामाहेरारो भायांयसलोजी ॥ संग नचालोतो एके कापडोतोदो ॥१४॥ टेर ॥ ह्माकीतो नहींछै नरसी यकटकीकी पूछजी॥ भायारे भरोसैं तै तो मुंडाय लीनीमूंछ ॥ १५ ॥ भगतवछलप्रभु सारै सबकाजजी ॥ नानीबाईरामाहेरारी ठाकुरजीनैलाज ॥ जैजै नारायणहरी ॥ १६ ॥

दोहा—सुण नरसी चुपचापव्है, सुमरे श्रीजगन्नाथ।
सांवल देसी कापडा, ह्मारै गिरधर चालैसाथ ॥ १ ॥

साथ हमारे सिरधणी, परमेश्वर परवार ।
साधू मायरो बापहै, सुरघा मारै लार ॥ २ ॥
इष्ट भरोसो अतिही दृढ, निहकामी निकंलक ।
सुखसारण प्रभुआसरै, नरसी सदा निसंक ॥ ३ ॥

इति श्रीभक्तवत्सलरागकौतूहलनरसीमिहतारो द्वितीयो प्रकाशः ॥२॥

दोहा—नरसीकीनारीकहैं, सखियनकूंसमझाय ।
स्वामीजी समझै नहीं, मोड्या बुरीबलाय ॥ १ ॥

॥ पदरागकेदारो ॥

मैताजीतो मोडियानै घेरघेरलावै । टेर ॥ एकने बुलावे मोड्या दोय च्यार आवै ॥ चूला ठंडी रोटी रहेण ने पाव ॥ १ ॥ ॥ टेर ॥ छाज भर भर पीसूं हूंतो कुंडा भर भर पोऊं ॥ जाय पीठ्यां मोडियानै भूखां मरती रोऊं ॥ २ ॥ टेर ॥ ऊठ संवारे मोढ्या सांपडवानै धावै ॥ एक दोय मोडिया डुब क्यूनी जावै ॥ ३ ॥ टेर ॥ मुंड मुंडावै मोड्या लंबी राखै चोटीजी ॥ जायकाठ्या मोडियाकीगरदन मोटी ॥ ४ ॥ टेर ॥ न्हावैतो धोवेमोड्यां लांबा काढै टीका ॥ जाय पीठ्या मोडियांका दरसन नीका ॥ ५ ॥ टेर ॥ खावानै तो घीर खीचडी बैठवाने पाटजी ॥ ह्मारा पीठ्या मोडियांरा दूणा दूणा ठाट ॥ ६ ॥ टेर ॥ नरसीजी तो माहेरारी सौजकरे ॥ मोटा मोटा तुंबा लेकर गाडीमें धरे ॥७॥ टेर ॥ छोटी मोटी तुमड्याकी गिनती नहीं ॥ बडा बडा तुबांलिया व्यायूंकैताई ॥ ८ ॥ टेर ॥ साराकै बीचै तौ धरिया मदनगोपाल जी ॥ एवड छेंवड मेली नरसी मरदंग ताल ॥९॥ टेर ॥ सवामण गोपीचंदण खडिया भरयो ॥ बीचमाहे ठाकुरजीको सिंहासण धरयो ॥ १० ॥ टेर॥ एकतो लीनीछै नरसीकपडा हंदी पोतजी ॥

पांचसात तो टोपी लीनी वांकीरी लंगोट ॥ ११ ॥ टेर ॥ ब्याण जीके तांई मालालीनीछै विशेषजी ॥ सवा सवा सेरकोछै मिणिया एकएक ॥ १२ ॥ टेर ॥ मतिकरो मेहताजी थे इतरो फैलजी॥ कुणतो करैलो थारो आंधलारी टेल ॥ १३ ॥ टेर ॥ बोलीरैये छानीरे॥ घरकी नारजी ॥ टहलतो करैलो ह्मारो सिरजणहार॥१४॥ ॥ टेर ॥ आगेचालै गाडोलीनै सूरघां लारों लार जी ॥ छिनमैपौचासी ठाकूर नगरअंजार ॥ १५ ॥ टेर ॥ बोलीरैये छानी रै तु बडका बोली जोयजी ॥ मोडियाबिना तो ह्मारी सुगती न होय ॥ ॥ १६ ॥ टेर ॥ साधूडांकी टहलकरीजो घरकी नारजी ॥ साथेथे चालोतो जिमण जीमो दिनच्यार ॥ १७॥ टेर ॥ भगतवछलप्रभु सारैसब काजजी ॥ नानीबाईरा माहेरारी ठाकुरजीने लाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥ १८ ॥

दोहा—गगनघेर भेलीहुई, करतसकल मिल सोर ।
नरसी निरधण जाणकै, कुटुंब करत सबरोर ॥ १ ॥

॥ पदरागकेदारो ॥

देखो महतानरसीजीमाहेरो लेजावैरे ॥ टेर ॥ भाईबंध नरसी बोलै एक अंचभो आवैरे ॥ देण लेणनै कछून सूझैगेबी गोता खावैरे ॥ १ ॥ देखो मेहतानरसीजी०॥ टेर॥गाडलीको पेंढो पडगो ज्तुवाडो पडजावैरे ॥ एकनै उठावै बोल्योदूसरो पडजावैरे देखोमेहतानरसीजी०॥ २ ॥ नरसीजीतो ऊपरबैठा वैलियां चमकावैरे ॥ लारै लारै सुरघांस्यामाही हाकोहाक मचावैरे ॥ देखोमेतानर० ॥ ३ ॥ पूटडली चुगऊंचीमेलै फाचडिया पडजावैरे॥ फाचरियानै ऊंचाधरितां तूमडीयागुडजावैरे ॥ देखोमेतान० ॥ ॥ ४ ॥ तूमडांकी सिरमें लागै आंधला गरलावैरे ॥ भाई

बंध नरसीरा बोलै यानै जीमण भावेरे ॥ देखो मेता० ॥ ॥ ५ ॥ आगै आगै मानदासजी चोरवा हरजस गावेरे ॥ लारै लारै सुध्यास्वामी पींड्याझरती आवेरे ॥ देखोमे० ॥६॥ नरसीजी गाडीमै बैठा मरदंगताल बजावैरे ॥ ज्याकी धुन साहेबसूं लागी रागकेदारो गावेरे ॥ देखोमेतानर० ॥ ७ ॥ कांधे कुराडी हात बसोलो किसनो खाती आवेरे ॥ सैंठारैंज्यो सूरदासजी नरसीलो बतलावैरे ॥ देखोमेतानरसीजी० ॥ ८ ॥ तूमडांको करो जाबतो एक आदमी आवेरे ॥ सूरदासजी हेरणलाग्योलकडी हातन आवेरे ॥ देखो मेतानरसीजी ॥ ॥९॥ भगवतवछलप्रभुसारैसबका जजी ॥ नानीबाईरामाहेगरीठाकुरजीनैलाज ॥ जैजैनारायणहरी

दोहा–पड पूठी पड फाचरा, बलद्या पडे दडाक ।
सांझपडी सूजै नहीं, आखड पडी अडाक ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

हाथमै बसोलोनै खांधेछै करोत जी ॥ आणतो करीछै किसनै भगतांसुं दंडोत ॥ २ ॥ टेर ० आयकै गाडीतो हरिजी लगायोछ हात ॥ हीराहंदी फूलीजडदी सोना हंदा पात ॥१॥ टेर॥ रूपाकी पिजडियां जडदी रेसम हंदा जंत ॥ बैलियाका सुंडामाहे दूधिया-सा दंत ॥२॥ टेर ॥ गाडी तो सुधारतां लागी एकघडी ॥ नरसी-जीकी गाडी देखो रतनासुंजडी ॥ ३ ॥ टेर ॥ हांकनलागो सांव लियोनै कीया ललकारा ॥ बाजडीसी बैलीव्हैगई चिमकण व्हैग्या नारा ॥ ४ ॥ टेर ॥ ऐसाभगतापर ठाकुर कीयो उपकारजी ॥ छिनमैं पोंचाया नरसी नगरअंजार ॥ ५ ॥ टेर ॥ हाली व्हैकर हाकी मेतानरसीकी बेल॥ सामाही दीसेछै थारी नानीबाईरा म्हैल ॥ ६ ॥ टेर ॥ भगतबछलप्रभु सारै सब काजजी ॥ नानीबाईरा माहेरारीठाकुरजीनै लाज ॥ जैजै नारायणहरी ॥ ७ ॥

दोहा-सूरजकेरै ऊगणै, पहुँच्या नगरअंजार।
हाट बाट सब ऊघठ्या, खुलिया सकल बजार ॥ १॥
जोसी दोड्यो कौकल्योगयौ, सगाकै गेह।
व्याही आया गोरिवैं, मोही बधाई देह ॥ २॥
श्रीरंगजी पूछतभये, कहो सगाकी बात।
कांई कांई लाया माहेरो, कुणकुणआयासाथ ॥ ३॥
जोसी बोल्यो कोकल्यो, माहेराकी बात।
थांनै माला तूंमडां सूरदास्यामीसाथ ॥ ४॥
बिस्मयवाणी कोकले, कही सभामेंजाय।
सुख सारण चकृत भये, सुनकरश्रीरंगसाय ॥ ५॥

इति श्रीभक्तवत्सलबिडदरागकौतूहलनरसीमेहताको माहेरोतृतीयप्रकासः ॥ ३॥

॥ पदरागकेदारो ॥

जोसीजीतो बोल्या म्हानै बधाईतो दो ॥ व्याइजी आयाछै थाका सामा जायरलो ॥ टेर ॥ भलीकरी नरसीजी मेता आयाह्मारै देसजी ॥ कितरातौ ल्यायाछै थांरी बाईसारु बेस ॥ १ ॥ टेर॥

बेसडलारी बाताथेतो बुझोई मती जिनसातो ल्यायाछे थानैला गसी जती ॥२॥टेर॥पोसाकांरी बिगतारो बूझोई कांई ॥ बडा बडां तुंबाल्याया व्यायाकै ताई ॥ ३ ॥ टेर॥ छोटी मोटी

तुमह्यांको अंतनपार ॥ दोदोतो बरतादो थांकैसारे पावार ॥ १॥ टेर॥सवामण गोपीचन्दण ल्यायाछै खरोजी ॥ सारीतो बस्तीका बैठा तिलक करो ॥ ५ ॥ टेर ॥ एक तोल्यायाछै व्याही कपडा हंदी पोठ ॥ भाई बंधाने टोपियानै सरबालै लंगोट ॥ ६ ॥ टेर ॥ व्यायणजीकैतांई मालाल्यायाछै विशेषजी ॥ सवा सवासेरकोछै मणियो एकएक ॥ ७ ॥ टेर ॥ खोडीला व्याहीनै हून्यां काढो निपरोजी ॥ टूटोडी टपरीमै ज्याकाडेराहीकरो ॥ ८ ॥टेर ॥ फूटो डी हाटामै जूवा मांछरछै घणां ॥ जठतो दीराया डेरा नरसीजी तणां ॥ ९ ॥ टेर ॥ ॥ भगतबछलप्रभु सारेसबकाजजी ॥ नानी-बाईरा माहेरारी ठाकुरजीनै लाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥

दोहा—नरसीनिरधन जाणकै, डेरादिया कुठोर।
चीचड माकड अतिघणा जूवा खावे तोड। । १ ॥
ना जाजम ना गूदडां, ना मांचाकै बाण।
सूरदास सियांमरे, नाकोई जाणपिछाण ॥ २ ॥
पाड हाटका पाटडा, धूणीदई लगाय।
हरिजसगावै सूरियां, मरदंगताल बजाय ॥ ३ ॥
इत समाज सखियन मिली, संग श्रीरंगकीनार।
आई ढोल बजायकै, नानीबाईलार ॥ ४ ॥
कनकथालकरमें लियो, अक्षत दीपसमेत।
दुग्ध कलस नैतोदुरब, कुंकुमगंधजूलेत ॥ ५ ॥
नरसीजीकूं अरचकै, अरुसंतनकूं पूज।
रामरामकर सब मिले, कुसल परस्पर बूज ॥ ६ ॥

॥पदरागसोरठ॥

तूंतोआई नानीबाई थोडोकुंकुंलेर ॥ साधूडाकै गोपीचंदण लागै सवासेर ॥ १ ॥ टेर ॥ तूतो जलको कलस्योल्याई करकर

मनमै प्यार ॥ एकएक साधूपीवै तूंबाचारचार ॥टेर ॥ गुडकीभेली चावलल्याई एकपसी ॥ सूरधांनै कलेवो चावै सेरआसी ॥ २ ॥ टेर ॥ धोटकीतुं बटकोल्याई साडीबारे हात ॥ क्यासूंतोढकीजै ह्यारा सूरीयाको साथ ॥ ३ ॥ टेर ॥ हडहडहडहंसै ह्यारी नानी

बाइरो साथ ॥ कानादेर सुणज्यो ह्यारा द्वारकानाथ ॥ ४ ॥ टेर भगतबछलप्रभु सारैसबकाजजी ॥ नानीबाईरामहेरारी ठाकुरजी नैलाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥ ५ ॥

दोहा—हसीनार अंजारकी, सुननरसीके वैण।
उलटामांगे कापड्यो, आयोमाहेरोदेण ॥ १ ॥

॥ पदराग ॥

ह्यारा सगारै सैयांकायेराटोटा चनणघसणनैबडाचकलोटा ॥ टेर। ह्यारासगारै सुरघास्यामीबाला ॥ हरि जसगावै बजावै ताला ॥ सुरघां स्याम्यांकनै सोटाईसोटा ॥ सिरपरटोपीनै वजर-लंगोटा ॥ १ ॥ टेर ॥ ह्यारासगांके ठाकुरमोटा ॥ सालगराम संख गऊ गोटा ॥ सुरघास्यामी काढूंगांई मोटा ॥ गरदनलम्बीनै लंबा ईचोटा ॥ २ ॥ टेर ॥ गाजातो बाजातंबूरानै घोटा॥ मरदंगताल और अचरोटा ॥ व्याहीजीनाचै नै वाजे अनोटा ॥ १ ॥ टेर॥मा लारा मणियां दंडीकेरा दोटा ॥ तुलसीकाहीरा गलामांही मोटा

पगांपावड्यासूं फूटै छै ओटा॥ तुंबा तुंबीनै प्यालाछै छोटा॥ ॥४॥ टेर॥ भगतबछलप्रभु सारैसब काजजी॥ नानीबाईरा माहेरारीठाकुरजीनैलाज॥ जैजैनारायणहरी॥ ५॥

दोहा–सुणनरसी करुणाकरी, करलई मरदंगताल।
आमफला केलाफल्या, फूली सबै रसाल॥ १॥

॥ पदरागसोरठ ॥

बधावो॥सहेल्यां यो आंबो मोरियो मोरियो मोरियो यै नरसीजीरै द्वार॥ टेर॥ केतोजिणदिन आवो मोरियो लंकाजीतरुआये लछमनराम॥सहेल्यांयो० ॥१॥ केतोजिणदिन आंबोमोरियो॥ मथुरागढ जनम्यांजदुकुलनाथ॥ सहेल्यांयो०॥ २॥ केतेजिणदिन-आंबो मोरियो ब्रजडूबतराखिलियो जदुनाथ॥ सहेल्यांयो० ॥ ३॥ केतोजिणदिन आंबोमोरियो॥ द्रोपदीकीसभामाहे राखी-छै लाज॥ सहेल्यांयो०॥ ४॥ केतोजिणदिन आंबोमोरियो॥ गजडूबत राखिलियो ब्रजराज॥ ५॥ सहेल्यांयो०॥ केतोजिण-दिन आंबोमोरियो॥ जयदेवतणी जिवाई छैनार॥ ६॥ रामरस आंबोमोरियो॥ पांडवाग्रह आंबोमोरियो॥लाखाग्रहबीच बचायो छै प्राण॥ ७॥ रामरस०॥ सोवनसिखर आंबोरसभरयो जाकी विरलाहो जन केरीखाय॥ ८॥ राम रस०॥ दासकबीरै रसपीयो॥ केरीचूसी होगई गोरखनाथ॥ ९॥ रामरस०॥ नरसीलो विनतीकरै॥ हरिआज्योजी द्वारै माहेरो सं-जोय॥ १०॥ रामरस०॥

दोहा–हुवोबधावो हरष सूं, घरआई सबबाम।
अपने अपने भवनमें, करनलगी सबकाम॥ १॥
बाईकूं बुलवायकै, सासूपूंछ रैस।
कितोकभरसी माहेरो, किताकिता ल्याया वेस॥ २॥

॥ पदराग ॥

कहोनबहूजी थाराबाबाजीरी बातजी ॥ कितरातोल्यायाथानै दोवड तेवडदात ॥३॥ होलेहोलेचालो बेवडनरगाहोसो ॥ भारजी बाराआय नाराणरी बहूबुगचा उतार ॥ ऐसोकांई बडघ रमैकामकरैजी ॥ थारीतो जेठाणी उभी भारघांही मरैं ॥ ३ ॥ आंगणियाँमें उबाबाईकी सासूजी लदैजी देखोजी ह्मारी बवड-

ऊपर बूगचापडै ॥४॥ सासूजी ह्माराबाबाजी कैबुगचा होताजी तोतूंटूटीटपरीमें डेराकायनैंदेता ॥ ५ ॥जे बाबोजी ल्यायाहोता माहेरोसुलाय तोसुसरोजी मिलतासासू बाहडली झुलाय ॥ ६ ॥ काराकूरासासूजीथे करघाहीकीजोजी ॥ ह्माराबुढाबापजीतो जी-बतारीजो ॥ ७ ॥ बाबाजीनै देष्याहूतो हरीबरी ॥ माहेरोने ल्या-याह्मारैआयातो खरी ॥ आयातो ह्मेदरसणपाया मेलघो घराजी॥ ध्याह्मीजीनै देख्या मेतो लाजाही मरां ॥ ९ ॥ रोरोजी हटीलादे-वर गरभनबोलजी ॥ धनबिनामानवीरो कोडीहंदोतोल ॥ १० ॥ रोरोरेमोडघारीजाई काहेकोगुमानजी ॥ मोडियो खावैछेल्यावै मांगमांगधानजी ॥११॥ ह्मारोबापमागै देवरथैतो बांधीपाजजी॥ बामणको जमारोकांई मांगवारीलाज ॥ १२ ॥ नणदलबाई भो-

लीभावज मतीकरोरीरोसजी थारेतो सरीसीदिनमै ल्याऊंपूरी-बीषजी ॥ १३ मोसोतो ह्मारीनणदलबाईकायने लडोजी ॥ ह्मारै-भावै बाबोजी थे कुवामै पडो ॥ १४ ॥ पुतरी दोड पिताकनै ग-ईजी ॥ मोनैतो बाबाजी मोडियांकी कही ॥ १५ ॥ मोडि-यांकी कयांबेटी कीजेनहीं रीसजी ॥ मोडियो ठाकुरजीको विस बावीस ॥ १६ ॥ औरकोईमोडियोछै एकदोयबार ॥ नरसीलोतो मोडियोछै लाखक्रोडबार ॥ १७ ॥ जावोह्मारी नानीबाई आपके घरजी ॥ मोडियोकह्यासूं ह्माराकारजसरैजी॥१८॥तोसुह्मारा बा-बाजी कदैनेठरी ॥ जबथानै बुझूंजबसुमरो हरी ॥ १९ ॥ और सुमरै छानैचोड बैठैओलै जाय ॥ नरसीलोतो सुमरैबाई ढोलब जाय ॥२०॥ भगतवछलप्रभु सारैसबकाजजी ॥ नानीबाईरामा हरारी ठाकुरजीनैलाजजी ॥ जैजैनारायणहरी ॥ २१ ॥

दोहा—हरिसुमरणसूं अघजरै, कोटिबिघन टलजाय।
हरि आगेपीछेखडा, संकटमांहिसहाय ॥ १ ॥
ह्मारीसासू नितलडै, माहेरारैकाज ॥
आया हात हलावता, मोहिंउलटी आवैलाज ॥ २ ॥

॥ पदरागठुमरी ॥

मोकुं लजावण आए पिताजी ॥ टेर ॥ ॥ मायडहोयतोभरे माहेरोकेमायडको जायोहो ॥ भरीसभामै करीउजैलो राखेमान सवायोहो ॥ १ ॥ टेर ॥ ॥ ताल मृदंग झांज डफल्यायो संगमोड्याले आयोहो ॥ सबनागरमिल करतमसकरी ॥ नरसी मंडपआयोहो ॥ २ ॥ टेर ॥ नरसीजी कंवरलाडली नरसीजीस-मजावैहो॥ ध्यानधरूं बैठूं आसनपर सेठसांवलियो आवैहो ॥३॥

दोहा—बाई चिंताजिनकरो, मनमें धीरजधार।
मन मानैजो मांगज्यो, देसीसिरजणहार ॥ १ ॥

॥ पदराग ॥

बोलै पुतरी सुणबाबाजी कांई कांई सौदाल्यायाजी॥ तुमपैतौ-कछुदीशै नाहीं सूरयांसाथे आयाजी ॥ टेर ॥ फाटाकपडाटू-टीगाडी बैलपुरातम ल्यायाजी ॥ समदीकैघर माहेरोभरणो ताल बजावत आयाजी ॥ १ ॥ टेर ॥ कंठीमाला और तूमडा मरदंग संखबजायाजी ॥ गोपीचन्दन और रामरज तीखातिलक बणाया जी ॥ २ ॥ टेर ॥ जीमणका जीमणाराथेतो कोडी एकन ल्याया, जी ॥ कँवरीकहै लाजतुमखोई देसबिराणै आयाजी ॥ ३ ॥

दोहा-क्यानैआयाबापजी, बिनाजघरकीपूंछ।
घरांपरायांऊपरैथे, भलीमुडाईमूंछ ॥ १ ॥
नरसीजी हरि सुमिरिकै, बैठाआसणमार।
बाई सांवलआवसी, तूंमनमैं धीरजधार ॥ २ ॥

॥ पदराग ॥

कहै नरसीलो सुणयेपुतरी तोसुं मिलाबाआया ॥ देणलेणनै कछुबिनाही सांवलसाह बुलाया ॥ टेर ॥ बोलैपुतरी सुणबाबाजी सांवलसा कबआसीजी ॥ काल तुमारो माहेरोभरणो कांईकांई सोदाल्यासीजी ॥ १ ॥ टेर ॥ बोलेनरसी सुणए पुतरी बोदीबात बिचारी ॥ एकपलकमैं सब छुगरेलै सांवलियागिरधारीजी ॥ २ ॥ टेर॥द्रुपदसुताको चीर बढायो करी दुसासणहांसी ॥ अजामेलको गतीसुधारयौमिटगई जमकीफांसी ॥ ३ ॥ टेर ॥ राणैविषकोप्या लो मेल्यो पीगई मीराबाई ॥ अमृतकियो बदनभरलावै नैकगहल नहिं आई ॥ टेर ॥ ग्राहगह्यो गजराज उधारयोकाट्योफंदमुरारी॥४
नरसीकहै माहेरोभरसी अबकीबेर हमारी ॥ ५ ॥

दोहा-जबनरसी करुणाकरी, कँवरीनै समझाय ॥
बाई गिरधर आवसी, सकलमनोरथथाय ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

थेको बाबाजी सांचीथाको सांवलसा कबआसी ॥ टेर ॥ थेसांची बात सुणावोह्मानै राधाकृष्ण मिलावो ॥ वोतोद्वारावती कोराजा किणरा सारयाछै काजा॥१ ॥ टेर ॥ वांछोडी यसोदामासी सबझुरतरहे ब्रजबासी ॥ वांब्रजनारी तजदीनी कुबजापटराणी कीनी ॥ २ ॥ टेर ॥ वांरे मनमानीछैदासी ज्यांनैलाजकिसी बिधिआसी ॥ इमबानीबाईगावै हरि लाजमरैतोआवै ॥ ३॥

दोहा—पहिली केसखिचाइयां, पंछ बढायोचीर ॥
आवत लाजगुमायकै, आखरजातअहीर ॥ १ ॥

॥ नरसीउबाच—दोहा ॥

भक्तवछलको बिडदहै, सारैंगे हरिकाज ॥
छिन छिन निकटनिदानहै, दीनबन्धु महराज ॥१ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

बाईआसी आसी आसी हरिघणे भरोसेआसी ॥ टेर ॥ वेतोमाहेरो मुलासी सबसोंजलिया संगआसी ॥ १ ॥ टेर ॥ वेतो झाझंणरथजुतवासी ॥ संग राधारुक्मण ल्यासी ॥ २ ॥ टेर ॥ जेसांवलियो नहिंआसी तो बिडद किणारोजासी ॥ ३ ॥ टेर ॥ जोसांवलसहा नहिं आसी तोहिनरसीलो गुणगासी ॥ ४ ॥ टेरं॥हरिआसी आसी आसी पणघणे भरोसेआसी ॥

दोहा—आसीतोआजावसी, नहींतरचूकी बात ॥
बाईजावो भवनकुं, मतीगुमावोरात ॥ १॥

॥ पदराग ॥

जाईजदैदीनीक्युंनाअमलकी डलीजी ॥ क्यासुतो पुरोलाह्मारामनकीरली ॥ ॥ टेर ॥ ॥ फलसाआगलै बाबाजीखिणाई-

क्यूनीबाप ॥ रमतीतो खेलतीहूं पडतीजाय ॥ १ ॥ ॥ टेर ॥
आजह्मारीहुती जनमकी मायजी ॥ एकदोय कापडलातो देंती-
आय ॥ २ ॥ टेर॥ काजल बिना कांई आंखियारोतेजजी ॥
मायडलीबिना कांईबापको हेज ॥ ३ ॥ टेर ॥ गुडबिना फी
कोकसार ॥ मायाबिना फीकोपरवार ॥ ४ ॥ टेर ॥ ॥ मायडली-
बिनातो कोणराखैमान ॥घिरतबिना जैसे लूखोधान ॥ ५ ॥
टेर ॥ मायाबिना धींयड निरधार ॥ मायबिना झूठोसंसार ॥ ६ ॥
टेर ॥ पूरबजनमके प्रगट्याहै पाप ॥ थारैतो सरिसामोनमिलिया
बाप ॥ ७ ॥ टेर ॥ ऐसीऐसीखारीबातां बापसूँकहीजी ॥ ऐसातोभा
भाजी बिनायोंहीनारही ॥ ८ ॥ टेर ॥ जावोह्मारीनानीबाईघरां नै
सिधावोजी ॥ लागैजेती जिनसाको कागदलिखाल्यावो ॥ ९ ॥
॥ टेर ॥ केतो ह्मारोसांवलियो माहेरोही भरसीजी ॥ नाहीतों माहे
राबिहूणि कितरयानै करसी ॥ १० ॥ टेर ॥ नानीबाई दोडकर
जेठजीपैंगईजी ॥ लागेजितनी जिनसाथे लिखदोसही ॥ ११ ॥
भगतबछलप्रभु सारैसबकाजजी ॥ नानीबाईरामहेरारी ठाकुरजी-
नैलाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥ १२ ॥

दोहा — नाचकूदकर टूटकै, भरैमोडियोपेट ।
माहेरो क्यांसूभरै, यूंकहैबाईरो जेठ ॥ १ ॥
जझकनराणोबोलियो, बचनबिरोधी रीस ।
नरसी धरसीथालमैं, तुलसी बिसबावीस ॥ २ ॥

इति श्रीभक्तवत्सलराग कौतूहल नरसी मेहताको
माहेरो चतुर्थोप्रकासः ॥ ४ ॥

दोहा—कुटुम कबीला भेलाहुवा, बैठाराणूंराण ।
द्वातकलम कागदलिये, लिखवालग्यो नराण ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

आजारे फल साकातुतो सुरतिया भील ॥ थारातो लिखदेऊं दोई सोना हंदातीर ॥ १ ॥ टेर॥जितरातो बिनायकरा चालैछैचाक ॥ जिणका तो लिखद्यो रुपिया सवासवालाख ॥ पालस पीपलका जितरांछैपान ॥ जितरांतो लिखदोनजरीहांदाथान ॥ २ ॥ बामणालिखदो बाणयांलिखदो लिखदो सुंनार ॥ तेलीनै तंबोली-छीपालिखदो लुहार ॥ ३ ॥ घांची मोची दरजी धोबी लखारा-सहू ॥ दोयतोलिखदे रे नाराणा पाडोसीरीबहू ॥ ४ ॥ पाडोस्यां की बहुवानै तो आछीकीनी चीतजी ॥ पैरैओडै नाचैकूदै गावै चोखागीत ॥ ५ ॥ मालीलिखदो कोलीलिखदो लिखदो अहीर ॥ मालवै जातोडीमऊ लिखदीजेवीर ॥ ६ ॥ मालवाजांतोडीको राखलीजोमान ॥ एकएकको लिखदो बीरासोसोमणधान ॥ ७ ॥ जरकस हंदा तारलीखदेजरियां हंदी झूलजी ॥ मनरूपा जमाई सारू सोनाहंदाफूल ॥ ८ ॥ दिवराण्या जेठाणया सारूजरी कुंज-री ॥ छोटीडी नणदोली सारूमाही चूंदडी ॥ ९ ॥ बाकीतो नानीबाईरो सारोसिणगार ॥ दोयतडीनै लिखदैमोतीहीरा हंदोहार ॥ १० ॥ नरसीजीकी नानीबाई डांणमैछोटी ॥ सोनाका पगोत्योलिखदे नावडै कोठी ॥ ११ ॥ सारीतो बरात सारूल्यावजो पोसाक ॥ दायजामे देवण ल्याजो रूपया सवा लाख ॥ ॥ १२ ॥ लाडासारू सालदुसाला ब्यायानै बनात ॥ बाइसारू-ल्याजोथतोदोवडतेवड दात ॥ १३ ॥ माहेरोलिख्योछे मेतोबि-सवावीस ॥ घरका बिरामणका रुपैयासाडा तीस ॥ १४ ॥ कोकल्योबिरामणथांसुं काशीदी मांगैजी ॥ नाईका रुपैया साडा - बाराईलागै ॥ १५ ॥ धायसारू लिखद्यो ग्येकमेणियांको बे-सजी ॥ धाऊबाबा सारूलिखद्यो जरकसहंदोकेस ॥ १६ ॥

दाईमाई नायणलिखद्यो नाडोमोडन हार ॥ गीगीबाईरा कानबिंध्या आनंद सूंनार ॥ १७ ॥ धजाधोबती मंदरासारू घोडचडी अमूलजी॥पांचझोरे पंचानैदीयां बाजणदेला ढोल ॥ १८ ॥ पांच रुप्याका फदियाल्याजो कोरील्याजो आवता ॥ पलोफटकारव्याही उछालजाज्यो जावतां॥१९॥बुडलीव्यायणने तोउपजी सलाजी॥ मैनतौ पगधोवणलिखद्यो सोनाकीसीलाजी ॥ २० ॥ कूंकूपत्री लेयबेटी बापकै गईजी ॥ इतरो ह्माराबाबाजीद्यो माहेरो सही ॥ ॥ २१ ॥ कूंकूपत्री बाचीनरसी मगनभया ॥ ठाकुरजीरानाम सारांऊपर रया ॥२२॥ देखोमरदो नरसीलाकीदसातो घिरी ॥ नीचैनाव नरसीको ऊपरैहरी ॥ २३ ॥ ऊपरनाममांड्यो जाकोमाहेरो भरसी ॥ नीचेनाव नरसीलाको भजनकरसी ॥ २४ ॥भगतवछल प्रभुसारैसबकाजजी ॥ नानीबाईरामाहेरारी ठाकुरजीनैलाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥

दोहा—पत्रीसीस चढायके, सुमरे सालगराम।
लेकर सिंघासण धरी, प्रभुसारै सबकाम ॥ १ ॥
अबघरजावो लाडली, मनमेंराखो धीर।
पूरणभरसी माहेरो, आसी सांवलवीर ॥ २ ॥
देपत्री पाछी फिरी, आई सासूपास।

बेवडल्याई माहेरो, करीपरोसण हास ॥ ३ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

जायेपांड्यारी छोरी नरसीजीनल्याव ॥ थारैजीमण धायाव्याई ह्यारेजीमणआव ॥ टेर ॥ ॥ न्हायानैधोयायेछोरी सेवानेकरी ॥ क्योंकर जीमणचालैबाई हालकीघरी ॥ १ ॥ टेर ॥ ठाकुरजीको सिंघासण सीसपैधरो ॥ आजकी सेवातो ह्यारीहवेलीकरो ॥ २ ॥ टेर ॥ मरदंगतालां नरसीहातमें लईजी ॥ ठाकुरजीको सिंघासण सीसपैसही ॥ ३ ॥ टेर ॥ ॥ हरिहरसुणि सुरघ्यां तुंबातोभरघ्याजी ॥ डांगडीपकडी नरसीपिछाडी करघा ॥ ॥ ४ ॥ टेर ॥ नरसीजीरैलारैदेखोलंगरलाग्याजी ॥ देखोजी श्रीरंगजीथाकाभागतोजाग्या ॥ ५ ॥ टेर ॥ पोलीमाही बडतासामा व्याहीजीमिल्या॥नरसीजीनै देखोमुखडो मोडचल्या ॥ ६ ॥ टेर ॥ भगतवछलप्रभु सारेसबकाजजी ॥ नानीबाईरा माहेरारी ठाकुरजीनैलाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥

दोहा—पोलीमाही पेसतां, सूरघ्यांपूरो संख ।
काइकसंक सगातणी, नरसीकह्यो निसंख ॥ १ ॥
मानदास ततकारियां, रणसिंगाकीजोड ।
सोलासंख सूरघ्यातणा, वाज्याहोडाहोड ॥ २ ॥
गायांभागी वत्सतज, भैसभिडक गईभाज ।
तिलकदेख टाबरडरघ्या, सगामरघ्या सबलाज ॥ ३ ॥

॥ पदराग ॥

बोलीसमदण नार ॥ नरसी भांड्योरे ॥ नागररो सबबिवहार मुंडिये छांड्योरे ॥ टेर ॥ ॥ योतोबोलै बिकलविहाललोगहँसाईरे ॥ समदीनैपिता पुकार समदणमाईरे ॥ १ ॥ टेर ॥ बैनकहैसब भाम इणसबखोईरे ॥ योतोआयो कढीबिगाड सकल

डवोई रे.॥ २ ॥टेर ॥ षपतीनै उरोबुलाय सबीसमजावो रे ॥ थाका रणतज घरजावां विषडोखावो रे ॥ ३ ॥ टेर॥ तूंडेरोतज मतिजाय लोगहसेला रे ह्मारो मोटोछै परिवार मैणादेला रे ॥ ४ ॥

दोहा—तबनरसी कर जोडकर, बोल्योबुद्धिबिसाल ।
थारोमहणो सकल सिर, राखे गिरधरलाल ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

आंगणियांमें बडता बाईरी सासूजी मिल्या ॥ सूरयासाथेदेख ब्यायण रीसाई बल्या ॥ टेर ॥बूडलीतो ब्यायण ऊठ तिलककरो ॥ नेगको रुपैयो ब्याईदेवोजीउरो ॥ १ ॥ देवानैलैवानै समदण राम-जीरोनाम ॥ तुलसीकीमाला सेवासालगराम ॥ २ ॥ इतीतो सुणतां समदण रूस गयाजी ॥ काढयोडा तिलक पाछापूंछलिया ॥ ३ ॥ कैसाह्मराठाकुरजीथे निरधनकीयाजी ॥ काढ्योडातिलक ह्मारापूछलिया ॥ ४ ॥ इसांतिलकाकोसमदन कांईपूछोफेर ॥ ह्माकातो तिलकानै चंदणलागै सवासेर ॥ ५ ॥ सिनानकरावो तो थे येतोजसल्यो ॥ ठंढोपाणीछैजी थोडोतातोतो करद्यो ॥ ६ ॥ इतरोतोसुणकर समदणापिछईफिरी ॥ उकळतापाणीकी मोटीमेल दीचरी ॥ ७ ॥ समदणविचारद्यो नरसीदाज तो मरेजी ॥ घरमाहे पठ्यो रहैदसांदिन बारैनफिरै ॥ ८ ॥ नरसीजीतो पाणी मांही आंगलीधरी ॥ पाणीमै नहिंपूचीतोइबाफसूंबरी ॥ ९ ॥ सीनान-करावो तो थेयेतोजसल्यो ॥ तातोपाणीछैजी थोडोसमोवण-द्यो ॥ १० ॥ थारातो हुकमामे ब्याहीबरसैछै मेय ॥ इंदरआवले थारैसमोवणलेय ॥ ११ ॥ इंदरआतांने लागीयेकघडी ॥ मुसल-धारां औसरयोनै लगाइझडी ॥ १२ ॥ व्यायांका घरजलसूं भरया जी ॥ और सहरमाय मेहनकरया ॥ १३ ॥ व्याहण जीका आंगणियामै नाडल्यांभरी ॥ नणदूलीरी दोयदावढ्या बूबमरी ॥ १४ ॥

खोडीलाब्याईकोसैयांकाइतोकरे ॥ आगणिया में पगला धरता टाबरियामरै ॥ १५ ॥ पुतरीतो दोड पिताकनै गई ॥ डावडका रमतातो खोटी मोकलीभई ॥ १६ ॥ जदमैतेनरसीजी करुणा, करी ॥ मरग्यो डी छोरयांनै पाछे जीवांईहरी ॥ १७ ॥

दोहा– ब्यायणजी राजीहुआ, आया ब्याहीपास ।
जीमणकी मनुहारकर, नानीबाईकीसास॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

थेतो ब्यायणजी ह्मांसुं ठठोईकियो ॥ टेर ॥ मेतोनीरनिवायो ही माग्योबलतोहिआणदियो ॥ १ ॥ टेर ॥ चावलसीजैनै मूंग-पसीजै ऐसोही गरम कियो ॥ २ ॥ टेर॥ बफांसूं ह्मारै भयोजी पसीनोदेखत दाझगयो ॥ ३ ॥ टेर ॥ इंद्रकृपाल भयो नरसीपर समोवणआणदियो ॥ ४ ॥ भगतबछलप्रभु भगताआधीन सदापतित उबारलियो ॥ ब्याहणजी ह्मासुं ठठोहीकियो ॥ ५ ॥

दोहा–तबसमदण करजोर कही, क्षमाकरो अपराध ।
भोगलगावोदेवकूं, संगजिमावोसाध ॥ १ ॥
बासीकूसी खीचडी, सागपात कछुनाय ।
नरसीबैठा जीमबा, धरीथालकै माय ॥ २ ॥
धरतुलसीअर्पणकरी, आरोगो बलवीर ।
गरमहोगई खीचडी, चावलव्हैगयाक्षीर ॥ ३ ॥
सागपाक सरसाहुवा पापड और पितोड ।
खटरस भोजन होगया, जब आरोग्या रणछोड ॥ ४ ॥
सूरद्या मारै सबका, नरसी करैमनुहार ।
उद्रभरघो भावैनहीं, भरद्या रह्या सबथार ॥ ५ ॥
नरसीजीनै जीमता, देख्या सबपरिवार ।
श्रीरगमें ऐसीभई, रूसगया न्यौतार ॥ ६ ॥

श्रीरंग फिरे मनावता, सबकोई करैनखेद।
नरसीकी सरसी करी, करद्योपंगतमें भेद ॥७॥
श्रीरंग सकलमनायकै, कहीबात समझाय।
सुण सबही चुपकारह्या, जीमणबैठाजाय ॥ ८ ॥

॥ पदराग ॥

एकदिवस नरसीजी बोल्या सूरघां सबमिल आवो ॥ बाजारांकी सहलकरांथे मिरदंगताल बजावो ॥ टेर ॥ संख पखवाज झालरबाजै नरसी नाचणलागा ॥ सीसउघाडे पूनलंगोटा ऊपर पहरघा बागा ॥ १ ॥ टेर ॥ हाततंबूरा पांवघुंगरू करकटताल बजावै ॥ नाचत मगनहोतमनमाहीं गरि धुनि मंगलगावै ॥ २ ॥ टेर ॥ बीचबजार जायभयठाढे मधुरतान नृतगावै ॥ मानदास देताल मानपै गहरी मृदंग बजावै ॥ ३ ॥ टेर ॥ बालक तरुण बृध्दनारीनर कौतुक देखणधावै ॥ नरसी निसंक, नग्रफिरदेखै श्रीरंगके घरआवै ॥ ४ ॥ टेर ॥ तबश्रीरंग येकबुध्दिउपाई मंत्री तुरतपठायो ॥ बिननरसीकेकहीकानमै डेरैगिरधर आयो ॥ ५ ॥ टेर ॥ पटकीताल तानतज भागो पडपड ठोकर खावै ॥ सास उसास सांवरा कारण दोड्यो डेरै आवै ॥ ६ ॥

दोहा—डेरामै दीसैनहिं, गिरधरजीको साथ।
आरतकर टेरतभये, मींडत दोनुंहाथ ॥ १ ॥
नरसीजी डेरेगया, गयोबुलावो लार।
करोतयारी माहेरो, सबआया न्यौतार ॥ २ ॥
सुणनरसी चकृतभयो, करलई मरदंगताल।
ऊंचेसुर टेरतभयो, गावत गुणगोपाल ॥ ३ ॥

॥ पदराग ॥

बडोही भरोसो तेरो सांवलियां थ्हानै बडोही भरोसो तेरो ॥ टेर ॥ खंभफाड प्रहलाद उबारयो नखसुं उद्र विडेरयो ॥ १ ॥टेर॥ इंदर कोपकियो ब्रजऊपर नखपरगिरिवर टेरयो ॥ २ ॥ टेर ॥ द्रुपदसुताकी लज्जाराखी दुष्टपच्यो बहुतेरो ॥ ३ ॥ टेर ॥ जल डुबत गजराज उबारयो कृष्णकृष्णकर टेरयो ॥ ४ ॥ टेर ॥ नरसीकहै तुमसुणियोसांवल काजसुधारो मेरा ॥ ५ ॥ बडोही-भरोसो तेरो सांवलिया थ्हानै ॥६॥ कठैतोलगाई येतीबेर॥ सांवलिया थानै कठैलगाई येतीबेर ॥ टेर ॥ कोईभगतनकी करत नोकरी ॥ काई निद्रालिया घेर॥ १ ॥ टेर ॥ ज्योज्यो चीज लिखी कागदमें ॥ सो सब आज्यो लेर॥ २ ॥ टेर॥ नारद सारद गण पति लाज्यो ॥ रीधसिधका ढेर॥ ३ ॥ टेर॥ राधातो रुक्मणी साथेलाज्यो और भंडारी कुबेर॥ ४ ॥ टेर॥ मालालीनी साध जिमाया॥ हुंडीदईछै सीकेर॥ ५ ॥ टेर॥ आगूं काजअनेक-सुधारया॥ भरोजी माहेरो फेर ॥ ६ ॥ मोय भरोसो तेरो सांवरा॥ आप लगाई देर॥ ७ ॥ टेर॥ कांई रुकमिणी बिलमाये प्रभुजी ॥ कै राधालिया घेर॥ ८ ॥ टेर॥ थारेभरोसे खाली आयो कच्छू न आयोलेर ॥ ९ ॥ टेर ॥ आगूं भक्तअनेक उधारे॥ अबकै मोरीबेर ॥ १० ॥ टेर ॥नरसीमेहतोदासतुमारो ॥ सुमरे सांझसबेर॥ ११ ॥ टेर॥ कठतो लगाई येतीबेर सांवरा० ॥ १२ ॥

॥ पदराग ॥

एजी थ्हारानटवर नागरिया भगतांरेतुं क्योंनहिं आयोरे ॥ टेर ॥ धना भगतकी भगती पुरबली जिनको खेतनिपायोरे ॥

बीज लेकर साधानहिबांव्या बिनाबीज निपजायोरे ॥ १ ॥ टेर ॥
नामदेव थारोनानोलागै ज्यांरो छपरो छायोरे ॥ मारमंडासो छा-
वण लागो लिछमी बंध खचायोरे ॥ २ ॥ टेर ॥ सैनभगत थारो
सुसरोलागै ज्यांरो कारज सारयोरे ॥ बगलरछोडीनाईबणगो नृप
को शीस सँवारयोरे॥३॥टेर ॥ परसो खाती पुर सो होतो ज्यांको
पैंड्यो पूरयोरे ॥ बिनाबुलायोआपै आयोरात्यूंलकडो कूट्योरे॥४॥
टेर ॥ कबीरकांई थारो काकोलागै ज्यांघर बालदल्यायोरे ॥ खांड
खोपरा गिरी छुहारा आप लदावन आयोरे ॥५॥ टेर॥भीलणीकांई
थारै भुआलागै जिणकीझूठन खावैरे ॥६॥ऊंचनीचकी संकनमानै
रुचरुचभोगलगावैरे ॥६॥टेर ॥ करमा कांई थारै काकीलागै जिण
रोखीचड खायोरे ॥ धाबलियाको पडदो करती रुचरुच भोगल-
गायोरे ॥ ७ ॥ टेर ॥ मीरा कांई थारी मासी हुती जिणरा बिषडा
जारयोरे ॥ रानैबिषरा प्यालाभेज्या बिषअमृत करिडार्योरे ॥ ८॥
॥ टेर ॥ बालभोगको भूको वाला खोसखायगयो बोररे ॥ नानी
बाईरो माहेरोभरता तन्नैलागैजोररे ॥ ९ ॥ टेर ॥ जीमणके जीम-
णारो तूतो फिरफिर सारया कामरे ॥ नानीबाईरो माहेरो भरता
थारा लागैदामरे ॥ १० ॥ टेर ॥ कहैनरसी लोसुण सांवलिया
आणो हुवांतो आवोरे ॥ व्याही सगांमै भूडां लगां यूंकांई लाज
गुमावोरे ॥११॥एजी ह्मारा नटवर नागरिया भगतां रे० ॥ १२॥

॥ पदराग ॥

सांवरा किसेरे दीसांवर नाटो ॥ टेर ॥ आगै तोतूं आवतोरे
बाला॥अबकांई पडगयो घाटो ॥ टेर॥ नामदेव थारे रंगरे धोतियां
जिणसुं छायो ठाटो ॥ करमाकैघर नितको जातो खातो खीचडो
खाटो ॥ १ ॥ टेर ॥ बामणकातूं चावल खायग्यो ॥बिदुराके सागर
बांटो ॥ थारी जीभ चीटोकडी रे बालां ह्मारै नहिछै चाटो ॥ २ ॥

॥ टेर ॥ बकबककर ह्यारी जीभ दुखाई ॥ तैदल बाह्यो भभाटो ॥ ह्यारीबेलां आंख खुजाई ॥ पगकै बांधोपाटो ॥ ३ ॥ टेर ॥ भगत-बछल बडदझूटो ह्यारोबाला थारोजीवडोकाठो ॥ जेथारो बिडद बधायो चावैखोलकानकोडाटो ॥ ४ ॥ टेर ॥ हूंतो थोनै सीवरूं तूभरमाहेरो करल्यां आटोसाटो ॥ भणै नरसी लो सुणसांवलिया योजसक्यूं नहिंखाटो ॥ ५ ॥

॥ पदराग दीपचंदी ॥

नाथ थानै जाणतहूं दिनदिनका ॥ थेतो तारचा कीर अरुग निका ॥ टेर ॥ नाई कीर कसाई तारे भेद कहूं भिनभिनका ॥ ॥ १ ॥ नाथ थानै० ॥ घोधूकीताकुबजातारी संगकीया अहिरि नका ॥ २ ॥ नाथ० ॥ डूमभीलकोकी कुलतारे पला न छीवै जि नका ॥ ३ ॥ नाथ० ॥ नागरबंस नाम नरसीलो ॥ तिनसौं तो तोरघा तिनका ॥ ४ ॥ नाथ०॥ नीच निवाज करतहो प्रभुजी ॥ जल कुलतेछिनका ॥ ५ ॥ नाथथानैजानतहूं दिनदिनका ॥ थे तो तारचा कीर अरु गनिका ॥ ६ ॥

दोहा—नीचनिवाजसकरनकी, तोहि पडीहे वान ।
एक बिरामण तारदे, निरसी निरधनजान ॥ १ ॥
मोयभरोसो बापजी, जगतारण जगदीश ।
नानीबाई रै माहेरो, प्रभु आस्यो बिसबा वीस ॥ २ ॥
तनमनकी जानतसबै, मोपेटकोनदाम ।
लक्ष्मीसहित पधारज्यो, प्रभु सकल सुधारनकाम ॥ ३ ॥
गदगदवाणी रुदनके, नरसी करुणा कीन ।
चौंकउठे हरिनींदते, प्रभु भक्तन आधीन ॥ ४ ॥

॥ पदराग सोरठ ॥

जब नरसी जीनेकरुणाकीरजी द्वारकामै सुताहुआ ओजक्या-

हरी ॥ टेर ॥ राणीतो रुकमण खमाखमाही करैजी ॥ मोतीडालो थालभरकर आरतीकरै ॥ १ ॥ टेर ॥ कांई बंदगीमे प्रभु चूकपरीजी ॥ काचीतोनिद्रामे सुता ओजक्या हरी ॥ २ ॥ टेर ॥ मारातो भगतमेराणी भीर परीजी ॥ माहेरो लेजाणो ह्मानैअबकीघडी ॥ ३ ॥ टेर ॥ राधातो रुकमण जोरघां दोऊ हाथ जी ॥ माहेरो भरोतो ह्मानै लेचालिज्यो साथ ॥ ४ ॥ टेर ॥ सैजोडे भरालाथेतो सुणज्यो रणछोडजी ॥ भगताका माहेरारो ह्मानै आवैकोड ॥ ५ ॥ टेर ॥ थारांतो मनमां हे राणीजरैलीनहीजी ॥ नैकतो करणाछै बठै व्यायणकी नंई ॥ ६ ॥ टेर ॥ नरसीरा सगाछै सोतो आपण सगाजी ॥ बूडली व्यायण कैथेलागज्यो पगांजी ॥ ॥ ७ ॥ टेर ॥ थेतो जाणोलीराणी पतिह्मारै रामजी ॥ नानीबाई रीसासू ॥ आगै करणो पडसी काम ॥८॥ टेर॥ नानीबाईरी नहींछे जनमकी मायजी ॥ उणसूंतो मिलणो पडसीकंठलगाय॥९॥ टेर ॥ नानीबाईनै आवैली जनमकी मा चितजी ॥ नरसीजीरीबालकीरा आपाई माइत ॥१०॥ दिवराण्या जेठाण्यानै जीकारा दीज्योजी नानीबाईकी नणदोलीसूं डरतांईरीज्यो ॥ ११ ॥ टेर ॥ जावो जी गिरधारी ल्यावो माहेरो मुलायजी ॥ मैतो ह्माकै तैयारबैठ्या माथो चोटी न्हाय ॥ १२ ॥ भगतबछलप्रभुसारै सबकाजजी ॥ नानी बाईरा माहेरारी ठाकुरजीनैलाज ॥ जैजैनारायणहरी॥१३॥

दोहा—परिकर सहित पधारवा, त्यारहुवा रणछोड।
सौंजलईसबसोधकै, करकर मनमेंकोड ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठकी लूर ॥

चाढिया हरजी द्वारापुरकिहाट ॥ बाईनै भात मोलवैखोल्या हरजी कुबेरभंडार ॥ काढ्यातो सेला बाफता ॥ काढ्या हरजी जरिया हंदाथान ॥ कीरमचीवौ कापडा ॥ लीना प्रभुव्याण्या

हंदावेस ॥ बाईनै वौरंग चूनडी ॥ काढ्याहरजी थिरमा वेनात ॥ मिसरू वो काढ्या पालचा ॥ काढ्या हरजी कुलर कुवाण ॥ सालूवोकाढ्यासावटा ॥ लीनालीनाजरकसकेस ॥ मुखमलनै माई चूनडी खोल्यो प्रभु बजरकीवाड ॥ खजाना रतन जुहार-का ॥ लीनी प्रभु मोतीडारीमाल ॥ गहणा बोघण मोलका ॥ लीनी प्रभु रतन जडाव ॥ छलानै बीटी मूंदडा ॥ नख शिख सुंरथ सुंवार ॥ पैरावौ सबकुल पैरसी॥नानीबाईरो कुटुंब परवार॥ सिणगारण सारूं हरिचल्या॥लीनाप्रभुसोनाहंदातीर ॥ सिलाडी लीना सोवनी॥ बांधी बांधी रुपैयारी पोट॥झौरातो बांधी मन सै-ही धरिया हरजी महाजन हंदा भेस॥ सेठाण्या साथेले चल्या ॥ पाली हरजी पूरबली परीत ॥ किसनेबांधी गांठडी ॥ बांधी हरजी पचरंगी पाग ॥ जामो तो पहरयो केशरयो॥ माहेराको बां-ध्यो प्रभुजीमोड ॥ कलम टांकी कानमें॥चाल्या हरजी नरसीलारै काज ॥ वहीतो लीनी हात मैं॥घुंडलां हरजी बांधी घुंगरमाल ॥ बैलरिबांध्या टीकरा ॥ चंदण यारां रथ सिणगार ॥ जूनातौगड-रा मारगा ॥ लीनी हरजी रिधी सिधीसाथ ॥ राधातो लीनी रुकमिणी गावोथेतो नानीबाईरागीत ॥ हरषकैरतहँसबजणी ॥ भगतबछलप्रभु सारैसबकाज जी ॥ नानीबाईरा माहेरारी ठाकुर-जीनैलाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥

दोहा—मतकोई इचरज मानज्यो, संताराम सहाय ।
सुख सारण करबंदगी, अबही प्रगटैआय ॥ १ ॥

इति श्रीभक्तवछलबिडदरागकोतूहलनरसीमेहताको
माहेरोपंचमविश्रामः ॥ ५ ॥

दोहा—जुनागढरा मारगा, चाल्योजी रणछोड ।
खडैउताला बैलियां, माहेरारो कोड ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ

सुरंगोनानीबाईरो माहेरो ॥ टेर ॥ एतो धनराधा धनरुकमिणी ॥ धनधन छै वोएतो रिधसिधनार॥ टेर ॥धनरथ बैल्यानै घोडला ॥ धनधनछै वो सांवल सारो साथ ॥ टेर॥ रामजी धनजूनागढ द्वा-रका धनधनछैजी प्रभुनगरअंजार ॥ ३ ॥ टेर ॥ रामजीआज सुरज भल उगियो दरसणकरस्याजी नरसीजीरा जाय ॥ ४ ॥ सुरंगोनानीबाईरो माहेरो ॥

दोहा– हरि जूनैगढ पूचिया, सूरजउगे सेह ॥
जायचोहटे पूछियो, नरसीजीको गेह ॥१ ॥

सोरठा– पाणीरी पणिहार, नरसीमहतारोघरकिस्यो १
सूरजसामू द्वार, केरझबल कैबारणै ॥ २ ॥
पोल पहूंचोजाय- करीनरसीजीरी पूछना ॥
महतोगयोअंजार, नानीबाईरो माहेरो ॥३ ॥
बेसनगद शिरपांव, किताक नरसीलेगया ॥
किताएक पहोण पिलाण, किताकभाई संगगया ॥ ४ ॥
लेगयो रामजीरो नाम, सोलैसुरयां संगगया ॥
सांवल किशोबिलाप, हूतातो मिलता सही ॥ ५ ॥
जेदरसणकी ख्यात, थेलोरैं क्यानै रह्या ॥

ह्मानैछैदरसणरी ख्यात, नरसीसूं मिलतासही ॥ ६ ॥
कितायेककोसअंजार, कहांहोय मारगनीसरै ॥
विरदबधावणहार, कृष्णकदेंनहिंबीसरै ॥ ७ ॥
दोहा– मारगलयो अंजारको, श्रीपत रथलल्कार ॥
ठीकदुफेरी माहेरो, भरणो आज अंजार ॥ ८ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

थोडाधीमहांकोजी नन्दकुवार ॥ टेर ॥ रथथारो कडकै हीयो ह्मारो धडकै ॥ तूटछैजीहीं वडाराहार ॥ १ ॥ टेर ॥ गांवतडारा ह्मारा कंठज्योंधूजे ॥ हचकातो लागैछै अपार ॥ २ ॥ टेर ॥ ऐसा हांक्या हरिहू ज्यासामेंपाली ॥ आस्यां थारारथ डारीलार ॥ ३ ॥ ॥ टेर ॥ पालीपाली चांला सांवरां मंगल गास्यां ॥ पौंचातुरंत अंजार ॥ ४ ॥ थोडा धीमांहीकीजे नन्दकुमार ॥

दोहा– राधाराणी रुकमणी, अरजकरै सुणस्याम ॥
थोडा धीमहांकता, थारांकाईलागै दाम
सुणराधा सुणरुकमिणी, नरसीकरै विलाप ॥
अवसरपर पूगानहीं, लागैभक्तसराप ॥ २ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

धीमानहीं हांका राधा रुकमणनार ॥ टेर ॥ सुखभर सूताराधे मोडा रथजूता ॥ छिनछिन होतअवांर ॥ १ ॥ टेर ॥ भगतहमारा राधे गयाछै अकेला ॥साथेवांकै साधांरी वेगार ॥ २ ॥ टेर ॥ भगतहमारा राधे हैनिर्वाणी ॥ विलखेछै विरणरी कुंवार ॥३ ॥टेर॥ औरांरा माहेरो राधे कांकड पूंथा ॥ अपणेतो भईछै अवार ॥४ ॥ टेर ॥ बातकहतां नगरपहूँतां करभगतनकी सार ॥ धीमा नहींहांका राधा रुकमणनार ॥

दोहा—नगरअंजारके गोरवे, हरिलीनो रथठाम ।
पणिहारयां नहिंपूंछियो, किस्यो नगर कहनाम ॥ १ ॥
पणिहारी वायक कहै, योंहै नगर अंजार ।
थैकिणरै आयापावणा, अबज्यास्योंकिणरेद्वार ॥ २ ॥
श्रीरंगजीरा पावणां, नरसीजीरी लार ।
ह्मरकरो ह्मांऊपरै, ह्मानै दोऊ बतावो द्वार ॥ ३ ॥
टूटीटपरी सामली, नरसीजीको ठाम ।
मंडफऊभै चौहटै, श्रीरंगजीको धाम ॥ ४ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

श्रीरंगजीरा घरमै राडभईजी ॥ नरायणतो नानीनेओ ह्मां' डदई ॥ टेर ॥ थाराये बापकै माहेरो कठै ॥ तुंबोभरभर ल्यावै जूनागडहै पठै ॥ १ ॥ टेर ॥ तालियाँ बजावै मोड्यो पेटभरैजी ॥ योस्यामीडो माहेरो कायसूंभरै ॥ २ ॥ टेर ॥ माहेरो भरतां वानै लागवडो भार ॥ नोतरो देवेतो मोड्यो जीमणनै तैयार ॥ ३ टेर एकनै बुलावतां तो लैरां वीस आवेजी ॥ पांचपांच सेर पक्कासुरधरांस्यामी खावैजी ॥ ४ ॥ टेर ॥ नानीबाई जलको-कलस लियोजी ॥ पाणीडै जावणको मतोई कियो ॥ ५ ॥ टेर ॥ कुटम कबीलो लडबा लाग्योपला झाडजी ॥ नानीबाईतोराड आडीकर दीनीवाड ॥ ६ टेर ॥ भगत वछलप्रभु सारैसबकाज० ॥

दोहा—लेचुकल्यो सरवरगई, बिलखत राजकुंवार ।
राडमिटावण कारणै, सरवर लागीवार ॥ १ ॥

॥ पदराग केरवो सोरठको ॥

हंतो सरवर पाणीडैचालीये माय ॥ नरसीमेतारी बालकी ॥ जलभरूं केडूंबमरूं ह्मारीमाय ॥ टेर ॥ह्मारोसुसरोजी घणा बखता

वर ॥ मेतो बाबल निरधन पायोहे माय ॥ १ नरसीमेता० ॥ दीवर जेठाण्या मोनै मेणाही देवै ॥ मनै सासू नणद संतावहै ॥ माय ॥ २ ॥ नरसी० ॥ पाडोसणपै मेलडी नितनेमी वातो बलती मैंपूलोनाखैये माय ॥ ३ ॥ नरसी० ॥ देवरियो दूतो फिरे रे निपूतो ॥ ह्मारसुसराजीनै जायसीलावै येमाय ॥ ४ ॥ नरसी० ॥ सुसरोजी सपूता एकनमानै ॥ देवरियो विलखपाछो आवैयेमाय ॥ ५ ॥ नरसी० ॥ ह्मारोतो नहींछे जामण जायोवारो ॥ कुणमनै चीरआढो वै येमाय ॥ ६ ॥ नरसीमे० ॥ ह्मारेनहिंछै जनमकी मांय ॥ मनैहिवडै कूणलगावै येमाय ॥ ७ ॥ नरसी० ॥ ह्मारोतो बाबोजी असल निर्वाणी ॥ ज्यारैपरलै पइसोनाहीं येमाय ॥ ८ ॥ नरसीमे० ॥ ह्मारोतो नहींछे मामो मौसालो ॥ ह्मारो सांवलकाज सुधारै येमाय ॥ ९ ॥ नरसी० ॥ केतोसांवलियो काजसुधारै ॥ नातोपरतनपाछीजाऊं येमाय ॥ १० नरसीमेतारी वालकी ॥

दोहा—खालीचुकल्यो हाथमें, ऊभीसरवरपाल ।
भरचुकल्यो घरजावस्यूं, तबआसी गोपाल ॥ १ ॥

पदरागकल्याण ॥

हेजी ह्माराबालाजीरी उभीजोऊं बाटडी ॥ एजीगिरिधारीजीरी उबीजोऊं बाटडी ॥ टेर ॥ कंवरी कलसालिये करठाढी ॥ ओढ्याछै कसुमलघाटडी ॥ एजीगिरिधारी कांईतो माहेरारी सोजखरीदो ॥ कीस्यांतोबजाजारी हाटडी ॥ २ ॥ एजीगिरिधारी० ॥ कांई थानै राधारुक्मणी रोक्या ॥ साथे आवणकी आटडी ॥ ३ ॥ एजीगि० ॥ कांईथे मालउधारो खरीदो ॥ साहाकरीछै कांइनाटड़ी ॥ ४ ॥ एजीगि० ॥ नानीबाईकहे भवअधिक अथाहमाहीं ॥ गिरधरतिरबानै पाटडी ॥ ५ ॥ एजीगिरधारीजी उभीजोऊं बाटडी ॥

॥ रागगरबो ॥

बीरा गिरधरलाल इणअवसर नहिं आयोरे फिर कब आवसी ॥

॥ टेर ॥ मेतो जाणयोछोरे माहेरो ल्यासी ॥ तूंतो खाली हातन आयोरे ॥ १ ॥ फिर ० ॥ मनेखरोरे भरोसो गिरिधारी ॥ तेतो पंचामे मत खोईरे ॥२॥ फिर०॥ म्हारोउंमग उंमग हियरो उबकै॥ म्हारीछाती भरभर आवैरे ॥ ३ ॥ फिर०॥ हूंतो मायबिना कीडी-करी ॥ मैंतो निरधन बावलपायोरे ॥ ४॥ फिर० ॥ नानीबाईकहै करी॥सुन सांवालिया ॥म्हारे माततात तुहिंभाई रे॥५॥फिरकब०॥

दोहो– अजामेल गज गीधके, आयोबंधीपेज ।
मायबिहूणी कारणौ, कठैलगाई जेज ॥ १ ॥

॥ पदरागल्हर ॥

उभीबाई सरबपाल ॥ ऊंचीचढै ओनीची उतरै ॥ आंबलडारी महरी गहरीछाय॥ जिण चढैबैठोजी सूवटो॥१॥ सुवटडाधरमकोरे वीरदेखझूलरांयांनै आवोतो ॥ सुवो बैठोबैठोषेजीजाय ॥ पछिम दिसाजी सामां जोइया ॥ झीणीझीणी उडैजी गुलाल ॥ झमकै झमकै जूनावो गढरामारगां ॥ रथडारां कलस भलकाय ॥वहलांरा बाज्या टोकरा ॥ ३ ॥ घुडलांवी घूगरमाल देखझूलरियानै आव-तो ॥ रथबैठाजी गोपाल रूपनिहारयो रणछोडको ॥ ४ ॥ उतरी सरवरपाल आडीतो फिरवाई पूछियो थेछोकठारा सिरदार॥ किणरैतो जायरे बिरापावणां ॥ ५ ॥ कह्यो भावज मनकीं बात॥ थारातो गीत सुहावणां ॥ प्रभुजीछै मथुरारा मिरदार ॥ द्वाराव-तीको राजवीर ॥ ६ ॥ वसुदेवजीरा समरथपूत 'देवकीजीराछै डीकरा ॥ बोलैरिध सिधनार बाई वोसहोदरारा बीरछै ॥ ७ ॥ राणीरुकमिणी सिरमोड ॥ सांवलसहा यारो नावछै ॥ श्रीरंगजी-रा मिझमान नरसी मेहता संगपावनणा ॥ ८ ॥ भरस्यांमाहेरो अंजा ॥ जिणरावो वीरबधावणा ॥ नानीबाई करसीह्यारा चाव. इणविध गीतसुहावणा ॥ ९ ॥

दोहा—उमंगीबाई उमंगहिये, सुण रिधसिधकी बात।
जलभरती छीछाणकै, अणछायोई लेजात ॥ १ ॥

॥ पदरागखमावच ॥

हूंतोथांकी वाटडलीजोवैछीजी॥गिरधारिजीभलआविया॥टेर॥ कुंकुरे पगभलाई पधारया ॥ राधातो रुकमणि लाविया ॥ टेर ॥ श्रीलक्ष्मीजी रथसूं उतरया॥नानीबाई कंठलगाविया॥१॥ जीगिरधारीजी भल० तब सांवल शिरपै करफेरयो ॥ आनंद हरख वधाविया॥ नरसीजीका कुशलपूंछकर नैननीर ढरका वि-या ॥ २ ॥ जीगिरधारी भल० ॥ नानीबाईपूछै कुसल परसपर रिधसिध कंठलगाविया ॥ सांवन सूरज आजभल उगो गिरधर मोघरआविया ॥ ३ ॥ जीगिधरधारी० ॥ चुफल्यो लेकर चलीहै

भवनकूं ॥ मनमै हरख वधाविया ॥ सासूजीनेकहै उठोमाहेरो बधावो ॥ बीरो गिरधर आबिया ॥ ४ ॥ जीगिरधारीजी भल आबिया ॥ हूंतोथांकी वाटडी जोवै छीजी ॥ ५ ॥

दोहा— ननीबाईका बचनसुन, हँसि कुटुंबकी नार।
सासहंसी नणदलहंसी, हंसियो नगर अंजार ॥ १ ॥
निरधनकूं सबजगहंसै, येह पुरातन रीत।

सुखसारण प्रभुकूं प्रिये, अंतर साँचाप्रीति ॥ २ ॥
इति भक्तवत्सलरागकौतूहलनरसीमेहताकोमाहेरोषष्टमोप्रकासः ॥६॥
दोहा—नानीबाई हरषकर, चढीतिखंडेजाय ।
लालनणदनैयूंकहै, थानेदेऊ वीर बताय ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

देखोनै सासूजी मारा पीयररो परवारजी ॥ रथमें बैठो सावल बीरो भोजायछै लार ॥ १ ॥ बीराजीकी पाग ऊपर सेहेरो झलकै जी ॥ भोजायांका शीसपर चूनड्यां चिलकै ॥ २ ॥ मोत्यां हंदी झालरीनै हीरांहंदी लूंब ॥ वीराजीकां रथडारी झलकैछैझम ॥३॥ हाल्यां कै हीराकागेहणा बैलियांकै झूल ॥ सूरजकेरी कीरणा झलकै रथडाराफूल ॥ भगतवछलप्रभु सारै सब काजजी० ॥
दोहा—अनंतओपमा आपकी, कबिहि न सकै बखान ।
घणमोलां रतनाजड्यां, सांवल लोंपहिचान ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

बाईउबीरंगरै छाजै ॥ घुडलारै झांझरबाजै ॥१॥ बाई खडी झरोखाजाकै देखो आयो माहेरो झाकै ॥ २॥ बाईरी सासू नणदलडैलै मतनीची आणपडैछै ॥ ३ ॥ योछाजो टूटझडेलो झारा व्यावमैविघन पडेलो ॥ ४ ॥ बहू माहेराकी भूकी ॥ तूं तो बेस परवाडकी ॥ ५ ॥ गांवमै व्याह घणाछै ॥ ज्यारें आवै बोतजणा छै ॥ ६ ॥ कोई मारग वेतो आवै ॥ झारी बहुतबड बीर बधावै॥ ॥ ७ ॥ थारोबाप माहेरो आयो॥सूरयांरा टोलालायो ॥८ ॥भगतबछलप्रभु सारै सबकाज० ॥ ९ ॥
दोहा—सासूजी धीरजधरो, आयोसांवलसाय ।
नरसी भरसीमाहेरो, थानैदेस्यूं नैनदिखाय ॥ १ ॥
झीणी बांधैपागडी, झीणो सांवलजीरो साज ।

मोरा पाछै गांठडी, बणगया आपबजाज ॥ २ ॥
ह्नेआयाछांचोहटै, थेचालोगलिया, ।
नानीबाईरा आँगणै, करस्या रंगरलिया ॥ ३ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

हेलामारै सेठजीथे दरवाजो खोलो ॥ माहेरो भरोतो कोई काप डां तोलो ॥ १ ॥ दोडियो नराणोदेवर आगल दीनी खोल ॥ कहोनी सेठजीथांका कापडलांरो मोल ॥ २ ॥ सवाहातरा कापडांरा रुपयाहजार ॥ साबूता थानकोतो अंतनपार ॥ ३ ॥ इतराह्नैगा कापडां तो नरसी महतोलेसी ॥ ज्यारे पलैरोकडीछै थोकडी गिणखदेसी ॥ ४॥ ज्यांकनै बंधीछै सेठारुपिया हंदी पोट जी ॥ माथां ऊपर टोपीराखै पुनामें लंगोट ॥ ५ ॥ हसनै मुलक कर बोल्याछै हरी ॥ नरसीजी आयोछै कांई मिलस्यांतो खरी॥६॥ कठैउतरघा नरसीजीथे डेरांतो बतावोजी ॥ मिलवारी खात ह्ना-नै तुरत मिलावो ॥७॥ नानीबाईरो देवरियो बूझैछै नरायणजी॥ थारेतो नरसीरसेठां कदकी पिछाण ॥ ८ ॥ ह्नारेतो नरसी रे बाला आगलो बेवारजी ॥ देसीतो लेजास्यां नहीं तो करदेस्यां उधार ॥ ९ ॥ भालाछै रैबाणियां तूं मूरख गींवार ॥ मेतातो नर-सीसूं भायामति करै विवहार॥ १० ॥ नवोडी हवेली जेठे व्यायां हंदी जानजी ॥ फूटोडी दुकाना बैठेनरसीरा मकान ॥ ११ ॥ से ठांरी बतलावण सुणकर सुरघां स्यांमी तोलै ॥ देखोजी नरसीजी जाणे किसनो खातीबोलै ॥ १२ ॥ आवतदेख्या सांवल नरसी बैठाछै रिसायजी ॥ लेजाथारी गांठआयो सरम गुमाय ॥ १३ ॥ सामीमेलै गाठडी अफूटो फिर जावैजी ॥ नरसीजीनै सांवरियो-तो माडाणीमनावै ॥ १४ ॥ हसीनै मुलककर बोल्याछै हरीजी माहेरो ल्यायोछे नरसी देखोतो खरी॥१५॥मांडाणी दिखावणला ग्या आंख्यालीनी मीच॥बोल्यो न सुहावैजीसूं कानलियां भीच

॥ १६ ॥ वादीला भगतको कांहींतो करांजी ॥ ऐसीतो जाणतो गांठ व्यायाकै घरां ॥ १७ ॥ चालणलागो सांवलियो गांठडी उठायजी ॥ नरसीजी जाण्योरे ह्मारो ल्यायो डीले जाय ॥ १८ ॥ उबोरोरे सांवलियांतूं ठाडोरे गोपालजी ॥ ल्यायोडी गांठडली ह्मानै देजा नंदलाल ॥ १९ ॥ लारैलारै नरसीजीनै आगल सांवलसायजी ॥ पोलसूं निसरतां पूगो बुगचो पकड्यो जाय ॥ २० ॥ ठाकुरआगे नरसीजी निरतकरैजी ॥ थासूं ह्मारा सांवरियांजी बोल्याही सरै ॥ २१ ॥ बडाबडा तूंमडांकी भेंटधरेजी ॥ छोटीछोटी तुमड्यांकी निछरावल करै ॥ २२ ॥ तुलसांकीमालादीनी गलामें पहरायजी ॥ गंगागोली गोपीचंदन मेल्या आगेलाय॥२३॥ भगतबछलप्रभु सारैसबकाजजी ॥ नानीबाईरामाहेरोरी ठाकुरजी नैलाज ॥ जैजैनारायणहरी ॥ २४ ॥

दोहा–भीरभई सबनग्र नर, देखन दौडे ख्याल।
एवडछेवड सूरियां, बिचमैं श्रीगोपाल ॥ १ ॥
कुशल पूछसबपरस्पर, मिलेज्यु कंठलगाय।
प्रेमबढ्यो छूटै नहीं, जनुबेल वृक्षलिपट जाय ॥ २ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

तेतूंबा क्यानैफोड्या साधानैक्योंनहिं चोड्या ॥ १ ॥ ह्मारा

सदकैतुंबा फूटा प्रभुआप जायछारूटा ॥ २ ॥ ओजीसांवलियां गिरधारी ॥ ह्मारीबेल्यां फलसी भारी ॥ ३ ॥ हूंबरसाबरसी बाऊं॥ साधारै भेंट चढाऊं ॥ ४ ॥

दोहा–मित्रमिले बहुदिवसतें, हरि सुखकियो उचार ।
स्यामी भुरकीडारदी, यूंकहे नग्रनरनार ॥ १ ॥
गांठखोल घरमेंधरी, अबकछुअटगसी और ।
भयोमंत्रबस बावरो, कछुय न लागैजोर ॥ २ ॥
अबइनतै डरते रहो, धरैशीशपर हात ।
नरसीसूं डरसीनही, जाकोसबधन हरलेजात ॥ ३ ॥
भगेदेख नर नग्रके, ठग नरसीयों जाण ।
छीनलई यहगांठरी, परगटकरी पिछाण ॥ ४ ॥

पदरागकेरवो ॥

आयोरेभगतांरोभीरी ॥ मोडील्यांयो गांठडी ॥टेर॥ ओरसगां नै इच्छाभोजन ॥ तोविना नरसीनैघाली रूखीसूखीघाटडी ॥ १ ॥ आयोरेभगतांरोभीरीमो० ॥ ओरसगांरौ म्हैलांडेरां ॥ तोविना नरसीनैदीनी फूटीट्टटीहाटडी ॥ २ ॥ आयोरे भगतांरो० ॥ औरसगानै हिंगलूढोल्या ॥ तोविना नरसीनैदीनै बिनाबाणकी खाटडी ॥ ३ ॥ आयोरेभग० ॥ औरसगांनै सोड पथरणा ॥ तोबिना नरसीनैदीनी फाटीट्टटीकांथडी ॥ ४ ॥ आयोरे भगतारोभीरी० ॥

दोहा–धनबिहीनकछुपासनहिं, मैंप्रभु दीनमलीन ।
कछू न बानाकरसकै, ऐसे विधाता कीन ॥ १ ॥

पदरागसोरठ॥

कांईमनुहारकरांसांवलियां थारी कांई मनुहारकरां॥टेर॥अनम्हारैनाहींधन म्हारै नाहीं बैस्याछां परायेघरां ॥ १ ॥ सांवलियांथां० कासण वासण कपडो विनाहीं ॥ गैणैही जायधरां ॥ २ ॥ सांवलिया० मांग्योमिलैतो उधाराही ल्यावां ॥ भोजन आनकरां ॥ ॥ ३ ॥ सांवलिया० ॥ थारी गांठडीमाहे कपडोदीसै ॥ म्हानैंदैतो माहेरोभरां ॥ ४ ॥ सांवलियाथारी कांईमनुहारकरां ॥

दोहा—कांईकांई सोदाल्याइया, कांईकांई करीखरीद।
कुणकुणसाथेआविया, झनैसकल बतावोवीद ॥ १ ॥
रिधसिध हजारेसंगहै, आनंद मंगलचार।
माहेरो ओढावस्या, सारेहीसहरअंजार ॥ २ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

आनंदबोतघणां वो नरसीजीम्हारे०॥ टेर ॥ मारीगांठडीमाही सबकछुपावै ॥ भगतांरे काजफिरे ॥१॥वोनरसीजीम्हारै० ॥ गि-रिहो छुहारांदाख विदामां ॥ मेवाछै बहुविधना॥२॥ वोनरसी०॥ मैदीमोलीऔरसुपारी ॥ ल्यायांछामै मणाहीमणा ॥ ३ ॥ वोनर० कहै सांवलियो सुनै नरसीजी ॥ चालोक्यूंनी माहेरोभरां ॥ ४ ॥ वोनरसीजी म्हारे आनंदबोतघणां ॥
सोरठा—आपउठाई गांठ, निजभक्तां रेकारणै।
नरसीरी बेगार, धरीव्यायां रै बारणै ॥ १ ॥
सूरघांडहपडीया, संकडीगली अंजारकी।
पडतारा खुलगयानैण; दातारा दरसणभया ॥ २ ॥
निरधनकोधन राम, सांचा नरसीरासांवरा।
आयानरसीजीरी साथ, तो दातालोयण दिया ॥ ३ ॥

॥ पदराग ॥

सांवलसेठ सेठाणीलक्ष्मी नरसीकारण आया ॥ निज-भक्तांसूं नातोपाल्यो शीश बोज धरल्याया ॥ टेर ॥ वणिकसंग बहुभीडघणेरी कलम कानपै टांगी ॥ पब्बासाही बांधपागडी उंची पहरी आंगी ॥ संगकुबेर साह बण आयो ॥ रोकड-बटवो साथे ॥ और सखन शिरबांधी गांठडी ॥ डाबो श्रीपत हाथे ॥ १ ॥ सांवलसेठसेठाणीलक्ष्मी० ॥ सांवल सखनसहित मंडपमें ॥ सोभित दिनकर जैसे ॥ उडगनसम सबनागर छबित-

ज प्रातहोतही ऐसे ॥ विस्मयभये नग्रनरनागरि ॥ मानतज्यो भईफीकी ॥ सबकेसिरै तेघपर तुररो ॥ तीखरही नरसीकी ॥ ३ ॥ सांवलसेठ० ॥ नवलनागरी निरखि बदनछबि ॥ हरषिहरषि मन मोहै ॥ पूछतवाम परस्पर छुपिछुपि कहासखी यो कोहै ॥ सांवरि सूरत लगेसुहावनि ॥ भामिनिसबै लुभानी ॥ कोऊ कहै ये नग्र सेठहै ॥ कोऊकहै राजारानी ॥ ३ ॥ सांवलसेठ० ॥ चोकसकर लक्ष्मीजीनि बियां ॥ व्याहणजीकै आगै नागरकुलकी बडीबडे री ॥ तिनकेपायनलागै ॥ चकृतभई वचननहिं निखसै ॥ सब कोई रहैठगीसी ॥ भईचित्रसम रूपनिहारे देनसकी आशीसी॥४॥ सांवलसेठसे० ॥ श्रीरंगजीकी बृद्धबडेरी॥ जिनकूं नैनन दीसै॥लु लकर पायलगे लक्ष्मीजी बिनदीने आशीसैं ॥ सुनकर अमर पुष्प बरषाये देवदुंदभी वागी ॥ चहुंदिस भयोउजास नग्रमैं॥जोत जिगा मग जागी ॥ ५ ॥ सांवलसेठ सेठाणी०॥ पुरजन चौंकउठे अतिबिस्मय ॥ भामिनिहरष बधावै ॥ दोरतयेक येककैआगै ॥ सबकोई मंडपआवै ॥ बंशउजागर नागरनरसी ॥ तनकवानगी बरण्यो ॥ हरिजनकी यश पारनपाऊं॥कहैदास शिवकरण्यो ॥६॥

॥ पदरागसोरठ ॥

बेठ्याहरजी जाजमढाल ॥ नोगज धरती दलचढ्यौ ॥ दीना दुलीचा बिछाय ॥ श्रीरंगजी आदरकियो ॥ १ ॥ नानी निकटबु लाय ॥ हितसूं कीनी पूंछना ॥ नानीबाई आघीआव ॥ दिलकी बाता सबकही ॥ २ ॥ किसडा भरणाभात ॥ किसीयकरां पहरा-वणी ॥ ज्योथां हारै मनतात सरदासम पहरावणी ॥ ३ ॥ बाईम-नसुकलाय ॥ मनमान्यो ले माहेरो ॥ सांवलआयो द्वार ॥ औरूं आछो कायरो ॥ ४ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

दिवराण्या जिठाण्यानै जरीकुंजरी ॥ बडोडीनणदनै माहीचूं-

दडी ॥ १ ॥ बडोडी सासूजीनै सांवदूबेस ॥ धाउसुसरा जानै जरीहंदो खेस ॥ २ ॥ सुसराजीनै ओडादीज्यो लालबनात ॥ सासूजीनै बेसदीज्यो पुराई सात ॥ ३ ॥ जेठजीनै दीज्योरंगकी पोस्याग ॥ गीगीबाईनै साडीदीज्यो किंमत रुपिया लाख ॥ ४ ॥ लिखीयार परवाणैदीज्यो सारीबस्तीजी ॥ नराणजी देवरने थे तो दीज्यौई मती ॥ ५ ॥ भगतबछलप्रभु सारैसबकाजजी ॥ नानी-बाईरा माहेरारी ठाकुरजीनैलाज ॥ जैजैनाराणहरी ॥ ६ ॥

दोहा—सुखसारण हरिसुलकसुख, दियोशीशपै हात ॥
बाईदेवर टालियां, हलकीलागे बात ॥ १ ॥

इति श्रीभक्तवछलबिडदरागकोतूहलनरसीमेहताजी-
कोमाहेरोसप्तमोप्रकाशः ॥ ७ ॥

दोहा—नागरकुलकी नागरी, औरमिली सब बाम ॥
बीरोगावत बिहँसिसुख, लेलेमोहननाम ॥ १ ॥

॥ पदरागमलहार ॥

सहेल्यां ह्मारी मोहनवीरो आयो॥टेर॥नानीबाई तो ले कलस संजोयो ॥ मोतियन थालबधायो॥१॥सहेल्यांह्मारीमो०॥ धनधन येह्मारी बहुकुलवंती ॥ नरसीबावलपायो ॥२॥ सहेल्यां०॥ सबस खियनमिल मंगलगायो ॥ सोवन सुरजउगायो ॥३॥ सहेल्यां०॥ नानीबाईकहै ह्मारै भलाहीपधारयां ॥ दलधरती चढआयो ॥ ४॥ सहेल्यां ह्मारी मोहनवीरोआयो ॥ ५ ॥

॥ पदरागमलहार॥

देखोरी गिरधारीवीरो ॥ आजतो बजाजबण आयो ॥ टेर ॥ नानीबाईतो ले तिलकसंजोयो ॥ चंगोचीर ओढायो॥१॥ देखोरी गिरधारी० ॥ बहुरंगचुनड सुरंगसुहावन दीपकझूमलधायो ॥२॥ देखोरीगिर०॥ येवडछेवड मोतीडारी छुवां ॥ रुपाकोर चढायो

॥ ३ ॥ देखोरीगिर० ॥ अरुण उदोत धनुषसोभलखै ॥ भाणकरंग लजायो ॥ ४ ॥ देखोरी० ॥ नानीनानीबूंदा चमकैचहूँदिस ॥ दामनिदमक सवायो ॥ ५ ॥ देखोरी० ॥ उमँड घुमँड बीराबरसणलागो ॥सावनमेह बरसायो ॥ ६ ॥ देखोरी० ॥ नानीबाई कहै दलबादल उलट्यो ॥ रिध भंडार भरायो ॥ ७ ॥ देखोरीगिरधारी वीरो ॥ आज तो बजाज बणआयो॥

॥ पदरागजैजैवन्ती॥

आजतो सांवरियोवीरो माहेरोले आयोरीमाई ॥ टेर ॥ नोबत निसाणराजै ढुंढुभी बधाई बाजै ॥ उमँडघुमँड बीरो बरसै सवायोरीमाई॥१॥ आज्तो सांवारयो वीरोमाहेरोले०॥ रिधिसिधि साथल्यायो ॥ संगहीकुबेरआयो ॥ लोकपाल इन्द्रधायो ॥ बादरोसी छायोरीमाई ॥२॥ आजतोसांवल० ॥ मिसरू मरीनाल्यायो॥ खासातो बनातल्योयो ॥ अतलस खीनखांप ॥ खेपभर आयोरीमाई ॥ ३ ॥ आजतोसां० सालतो दुसाला ल्यायो ॥ भरके क्तारबीरो बजाज बण आयोरीमाई ॥ ४ ॥ आजतोसांवल० ॥ सोनाकी सिलारील्यायो ॥ रूपेकारुपैया ल्यायो ॥ थाल ठबकायो वीरोही बडोसवायोरी माई ॥ ५ ॥ आजतो० मीसरी बिदाम मेवा॥ खोपरा खिजूर ल्यायो ॥ बीरोबीणजारो ह्वारो ॥ बालद भरल्यायोरी माई ॥ ६ ॥ आज०॥केसर कपूर ल्यायो कुंकुम किस्तुरी ल्यायो ह्मैदी मोली चारोलीसूं ॥ गाडाभर ल्यायोरीमाई ॥ ७ ॥ आजतोसांवल० ॥ नखसिख गहणा ल्यायो ॥ रतनजडाब भायो ॥ मोलतो अमोल ताको ॥ तोलहु नपायोहै माई ॥ ८ ॥ आजतोसांवल० सुनीहूं नदेखीकहूं ॥ ग्रन्थनमें लेखकहूं ॥ अपर अनोखी ऐसी ॥ सोजलेके आयोरी माई ॥ ९ ॥ आजतो सांवालियो वीरो माहेरोले आयोरी माई ॥

सोरठ—पूछैहरजीनैबात, नागरसब भेलाहुवा ॥
कोठारा सिरदार, किणरैआया पावणा ॥ १ ॥
कांईथे भूल्याबाट, नगरअंजारेघरघणा ॥
कोथाराम्हनरी बात, किणरै ल्यायामाहेरो ॥ २ ॥
नरसीनिपटअनाथ, भूलकरो पहरावणी ॥
भोलैकरोउधार, बहुरनआवणजावणी ॥ ३ ॥

॥ पदराग ॥

सांचीकहोजी म्हाराज किणरै आया पावणा ॥ टेर ॥ किणधरतीरा राजवी ॥ थे जासो किसडैगांव ॥ किणरैल्याया माहेरो ॥ थारोसांचा बतायदीज्यो नांव ॥१॥किणरै०॥ नागरसाथ सिरीरंग ल्यायो ॥ सांवलनै समजावण आयो॥भूलकरो पहरावणि ॥ थानै पाछौमिलहैन दाम ॥ २ ॥ किणरै आया० ॥ पंथ मारगगेलो भूल ॥ योछै नगरअंजार ॥ दिमताथे महाजन दीसौ ॥ चालोचाल गिवांर ॥ ३ ॥ किण० ॥ कांईथाऊपरभुरखी छाई ॥ कैनरसीलै करीठगाई ॥ कांईथारै मालमुफतको आयो ॥ कांईथे भांग डलीखाई ॥ ४ ॥ किणरै आया पाहुणा ॥ म्हानैसांचीकहोजी महाराज ॥ ५ ॥

सोरठा—मथुरारा सिरदार, द्वारावतीरा राजवी ॥
सांवलसहाछै नाम, श्रीरंगजी रै पाहुणा ॥ १ ॥
नरसीजी रै लार, म्हेछां शेठ गुमासता ॥
नरसीरो परताप, तनमनधन नरसीतणां ॥ २ ॥
भरांआसरै पेठ, दूरदिसावर म्हेवसां ॥
नरसीआदूसेठ, म्हैछांआद गुमासता ॥ ३ ॥
तीनसैंसाठ मुनीम, म्हांऊपर किरपाघणी ॥
बेंचेतो बिकजाउँ, नरसी म्हांका सिरधणी ॥ ४ ॥

पहलीपत्री हात, भरवालागामाहेरो ॥
चुपक्योनागरसाथ, बचनसुण्योजबसाहको ॥ ५ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

सवापचीसमण लेल्यासुपारी ॥ सवापचीसमण रोरी ॥ सवापचीसमण ह्लेंदीलेल्यो ॥ सवापचीसमण मोरी॥गिरी छुहारां पीसचीसमण ज्या ॥ विदाम अरु च्यारोरी ॥ सवापचीसमण लेल्योकलेतानो ज्या ॥ विदाम अरु च्यारोरी ॥ सवापचीसमण लेल्योकलेवा ॥ अरुमेवानकी बोरी ॥ हजार थानमें मुदिका लेल्यो ॥ सालदुसाला चोकडा ॥ असीहजार तो मोहोरां लेल्यो ॥ क्रोडरुपैया रोकडा ॥ कागदमें दो लिखी सिलाडी ॥ झपटर लेगई डोकरी ॥ लूण अवारी मागण लागी ॥ पांड्या जीरी छोकरी ॥ भगतछलप्रभु सारै सब काजजी ॥ नानीबाईरा माहेरारी ठाकुरजीनेलाज॥ जैजैनारायणहरी ॥

सोरठा—पैलीफूग चडीपूर, जूनैगढ आईजकी ॥
दूजैहात हजूर भरणो लागा माहेरो ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

आजारे फलसारा तूंतो सुरतियां रेबीर॥थारातो लेजारे दोईसोना हन्दा तीर ॥ जितरातो चालैछै बिनायक हन्दाचाक ॥जिणरतो रुपैयागिणल्यो सवा सवालाख।।पारस पीपलरा जितराछै पान तितरा गिणल्यो जरिया हन्दा थान ॥ बामणओडो बाण्याओडा ओडलो सुनार ॥ तेलीनै तम्बोलीओडो ओडल्यो लुहार॥ घांची मोची दरजी छीपां लषारासहू ॥ गैणातो समेत दोय पाडोसीरी बहू ॥ मालीओढो कोलीओढो ओढल्योअहीर ॥ मालबैजातो डीमरुओडल्यो सहीर ॥ मालवैजातीछी मऊसगां राख्यो मान ॥ एकएक जाणूलेल्यो सोसोमणधान ॥ जरकसहन्दा थानलीज्यो जरिया हन्दीझूल ॥ मनरूपा जैबाईको ल्योसोनाहन्दो फूल ॥

दिवराणया जेठाणया लेल्योजरी कुंजरी ॥ छोटोडी नणदूलीले-ल्यो माहींचूंदरी ॥ ह्माकीतो नानीबाईरो सारोसिणगार ॥ होय-तडी तुलछावाई नै मोतीहंदो हार ॥ ह्मारीतो नानीबाई डाणमे

छोटी ॥ सोनाको पगौल्यो ल्यो नवडावो कोठी॥ सूरतकी बरात सारी पेल्यो पोशाक ॥ दायजामें देवणलेल्यो रुपया सका-लाख ॥ नरसीरा जवांईरोपरसराम नाम ॥ जिणरोतो हीरासूंरज-डियो दागिनो तमाम ॥ आवोजी नराणजीथे पैरल्यो पोसाख ॥ तीनाभाया सारुज्यांरा रुपया लागालाख ॥ बोलैछै नराणोहरजी ह्मारी सुणल्यो॥ हातकी सुमणां ठाकुर ह्मोनै उरीद्यो॥ हाथसुभणा सांवलसाके रूठोदेख नराण॥सीरोपांव पहैरे रेनहीं सूंतोखूंटीताण॥ दीवी सुमरणां हाथकी रूठोलीयो मनाय ॥ सीरोपाव पहराइयो सब कै आयोदाय ॥ ह्मारोसांवलवीरोसैयहंस हंसनैदेवै ॥ नराणुं देवरियो नकटोमांगमांगलेवै ॥ बीदसारु सालदुसाला ब्यांयानै वनात ॥ म्हाकीतो बाईजी लेल्यो दोवड तेवडदात ॥ माहेरो-भराछा म्हेतो बीसवाबीस ॥ घरकाबिरामण कील्यो ह्मोरा साडा-तीस ॥ पंचसारा बोल्यायेतोरुपयाही मागे॥म्होरातोदीयासुम्हानै लागहीलागे ॥ कोल्याबिरामणकी कासीदीकोद्यो ॥ नेवगी का-साडीबारे रुपयालेल्यो ॥ बाईरा सासूनै सुसरां आवोनउरा॥व्या-

यणजीगेरीनै थांकीमनसांईपूरा ॥ ब्याईजी पहरावजीखूं चोखो. हीरास्याँ ॥ यादतो करोलाँयके फेरू कबै आस्याँ ॥ बाईरी नण दल रूठकर दूरबैठीजाई ॥ श्रीलक्ष्मीजी हाथको कंकणदेरमनाय रूठया ब्यायण बूढलासाडी दायन आई ॥ घणमोली रतना जडी श्रीपतजाय उडाई॥सगीब्यायण बाईकी सासू रूठकर रूठ- जावै ॥ तबलक्ष्मीजी हारगलाको ब्यायणनै पहरावै ॥ हारदेख हिवडो हरखायो सवसखियण मन भायो !!आछो बेस अमोलक ल्याया श्रीदत आण पैरायो ॥ लेल्योजी धायजीब्यायण मैण्या हंदोवेस ॥ धाऊजी ब्याईजीलेल्योजरखस हंदोखेस ॥ दाईमाई नायणओडो नालोमोडनहार॥ थारीतोपोशाकलेजा आणांदासू नार ॥ धजाधोवतीमंदरालेल्यो घोडचली अमोल॥ पांचम्होर पंचा कीलेल्योसरूकरावी ढौल ॥ रंगमैतो राधारुकमण रूसणोकरघो ॥ संजोडैकयाछोथेतो अकेलाभरघो ॥ ह्मेतोओढायोराण्या नगर- अंजार ॥ नानीबाई उबोछै सारोई परवार ॥ नानीबाईरो बाकी राख्यो सारोईसाथ ॥ जीणानैओडास्या राण्याथांहारैही हाथ ॥ राधारुकमण बोलीथेतों सुणज्योहरी ॥ परणैफेरै साडील्याया ओ डाद्योपरी ॥ कुलका भाटदमामीओढा सेवग भोजग सारा ॥ गां धर्व चारण औरबंदीजन विरद बधावणहारा ॥ धोबीओरु धोब णीनै करलीज्योचीत ॥ व्यायारीगीते राण्यासूंगावै चोखागीत ॥ ढोलीढोलण ओरकलावंत रामजणीको साथ ॥ भांडवेरुप्या ओ रभुवेय्याओडो सबहीजात ॥ पैरनैपोसाकऊभी सबहीजणी ॥ आ पणातो नानीबाई सोभेहीघणी ॥ नानीबाईरी नाणदोलीनै औरु कीज्यो जाय ॥ आच्छी आच्छी चूनड्यां थे ओरू ओढो आय ॥ नानीबाईरी साथणियानै नणदल ओडीआय ॥ कठेरंगाई सांव- लियांजी आईम्हारैदाय ॥ फाटैझारी ओडण्याम्हे फेरूल्यांरंगाय॥

कठडेरंगाई ह्मानै साचीदो बताय॥ दासकबीरै जेजोवणियो करकरमनमै ख्यात॥ नामदेव छींपापै छपांई मेताइणभात॥पुरीद्वारी द्वारकामें भरयाछै भंडार॥ नानीबाईरा माहेरोनै कीनींछैतैयार॥ श्रीरंगजीनै कहनराणो जोरहुई॥ आपणै आयो माहेरो ओडगया कोई॥ पैल्हीनहींजाण्यो नरसीमाहेरो भरतो॥ आपणी हवेली मेतोसोनाकी करतो॥ भगतवछलप्रभुसारैसबकाज॥ नानीबाईरा माहेरारी ठाकुरजीनैलाज॥ जैजैनारायणहरी॥

सोरठा–यहनहिंजाणीबात, नरसी भरसीमाहेरो॥
भयोमुलकविख्यात, सोचनराणो यूंकरै॥ १॥
मेतोकरी अनाक, नरसीजीसूं मसकरी॥
खूनकरेमैंलाख, क्षमाकरोगे हरिभगत॥

॥ पदरागसोरठ॥

भरभरबांथा देतसांवरो नरसी ताल बजावैहो॥ बिचबिचतान मृदंगढोलकी सूरदास पदगावैहो॥ टेर॥ केइनागिरिले बाल नचावै सावलसहाकै आगेहो॥ कहैप्रभुथाकुं कछुदीजै बालकके मिसमागेहो॥ नयेउतार पुराणैपहिरैपुनिपुनि ओढण आवैहो॥ केईकेई ओढपहरवाँहीं ठाढीकेई ओढकर जावैहो॥ १॥ भरभरबांथा देतसावरो नरसी तालबजावैहो॥ भोजगभाट देत आशीसा कुलगुरु उचारेहो॥ बन्दीजन गांधर्व गुनगावै नाचत दे देतारैहो॥ बिढुख नकलकर बहुतहंसावै कबिजन कवित सुनावैहो॥ बेदध्वनि सबकरतबिप्रजन सखियन मंगलगावैहो॥ २॥ भरभरबांथा०॥ होतपरस्पर चोजअधिकअति समधीपाट बिठावैहो॥ केसरकुंकुम औरअरगजा छापापीठ पठावैहो॥ कोऊले रोरी मुखलिपटावै केसबावची ल्यावैहो॥ कोऊबटना अंगलिपटावै आपसहास चलावैहो॥ ३ भरभरबांथादेत०॥ अगरअबीरगुलाल कुमाकुमा

केसरकीच मचावैहो ॥ सूधाअंत्र चलैपिचकारी मोहनकेमनभाव हो ॥ सुखसारण देवनकूं दुर्लभ नागर फाग लिखावैहो ॥ हरषित देव पुष्पबरषावै अरुबिमानचढ धावैहो ॥ ४ ॥ भरभरबांथा देत सांवरो नरसी तालबजावैहो ॥ बिचबिचतान मृदंगढोलकी सूर दास पदगावैहो ॥

इति श्रीभक्तवत्सलबिडदरागकोतूहल नरसीजीमेहेताको माहरोअष्टमोप्रकासः ॥ ८ ॥

सोरठा–गावैसेठाणीगार, सबसमदीहरषतभये ॥
इतश्रीरंगकीनार, सखीकरीसबएकटी ॥ १ ॥
गाई अनोखीगार, यदुपतिमुख मुलकतभये ॥
बिहंसिबिहंसिसबनार, गारीदेत सुहावनी ॥ २ ॥

॥ पदकेरवोपरजको ॥

हँसि२गावै सेहाणीगाल समदण सांची कहो ॥ टेर ॥अंगथारो भलकै बींदली चिलकै ॥ भूषण अधिक बिशाल ॥ १ ॥ हँसिगावै सेठाणीगाल० ॥ काजलमिसी तम्बोलतिलक माहीं ॥ बिन्दली लालगुलाल ।.२॥ हंसिगावै सेठाणी०खंजननैन चिकोरचलावै ॥ मोह्या गिरधरलाल ॥ ३ ॥ हँसिगावै सेठाणी० ॥ श्रीरंगव्याही वृद्धभया ॥ ह्वारोरथको गाडीवान ॥ ४ ॥ हँसिगावै सेठा णीगाल० ॥

॥ उत्तरपदरागकेरवोपरज ॥

येजीथानै समदणगावै गार गिरधर सांवरिया ॥ वसुदेवजी गोरेअंग प्रभुजीमे भेलपड्यो ॥ बलदेवजी गोरेगात गिरधरसांव-रिया ॥ १ ॥ येजीथानै समदण गावै० ॥ दोयकहीजै बापजगत माँहि सोरपड्यो ॥ दोन्याको रंगबिशेष गवर अरुसांवरिया ॥ २ ॥ समदणगावै गार० ॥ दोयबाप चारूहातबिधातानै ढुरसघड्यो ॥

थारीपरगटपडैजी पिछाण जगतकांई बावरिया ॥ ३ ॥ थानैस-मदण० ॥ थारीभाभी दरोपदीनार पांचासीरपडयो॥ थेनाकविंधा योनाथ नाचा संगडावरिया ॥४॥ थानैसमदण गावै० ॥ सुनस-मदणकीगार नरसी सुकचपड्यो ॥ जीकांई हँसहँस काढैदांत दिखावैचांवरिया॥५॥ थानैसमदण गावैगार गिरधरसाँवरिया०॥

॥ पदरागकाफी ॥

व्यायणरंगमहलमैं आवसांवराकी सेजबिछी ॥ टेर ॥ सुपनै हींसूती ऐसी सेज नरम बिछोनाछै ॥ मनभावन पलंगबि-छाय गालमसूरघालै ॥ १ ॥ व्यायणरंगमहल० ॥ ओढो-सुंदर दिखणीचीर मोतियण मांगभरी ॥ खावोमिसरी मेवापानस मदण आवोनैउरी ॥ २ ॥ व्यायणरंगमहल० ॥ खेलोचोपडसार सांवल सुरंग रँली ॥ थारोबधसी बहोनपरवार पूताबेलफली ॥३॥ व्यायण रंगमहल० ॥ ऐसोअवसर बारणबार मोहनमनमैं बसी ॥ सुनडुरगकी गाल नागरनार हंसी ॥ ४ ॥ व्यायण रंगमहलमैं आव सांवराकीसेजबिछी ॥

॥ पदराग ॥

॥ म्हेताजीकोनौतोछैजी नगरअंजार ॥ म्है० ॥ टेर ॥ हरि मंदरसीधाले जाज्योखट दरसण नरनार ॥ साधुभगत ओर भि-खारी आज्योदूधा धार ॥ १ ॥ म्हेताजीकोनौतोछै० ॥सुरततणां बरात्यांनैनूतो दयोछै कंवांरा भात ॥ बामण बणियांसब जुड-आज्यो ओरसब राजदुवार ॥ २ ॥ म्हैताजीको नौतोछै जीन ॥ घांची मोचीनै तेली तंबोली ॥ दरजी औरसुथार ॥ माली कोली नाई छीपा ॥ गूजर और सुनार ॥ म्हेताजीको नौतोछै जी० ॥ डबगरनै रंगरेजलखारा ॥ कमणी गरनै कुम्हार ॥ चूडीगरनै ओर चितेरा॥धोबी और लुहार ॥४॥ म्हेताजीकोनौतोछैजी० ॥

कहार कचेराकीर कलावत ॥ जाचक कारुक सार ॥ लोधम भील कलोताकोली रेगरऔर चम्हार॥५॥ म्हेताजीको नौतोछैजी० ॥ सबकूंनौतोछैसिगरीको आज्योसैं परवार ॥ ऊंचनीचकोई रहण नपावै ॥ अन्तजआद पधार ॥ ६ ॥ म्हेताजीकौनौतोछैजी० ॥

दोहा—सकलनगर नौतोदियो, हुंडीदई पुकार ॥
भूल्याचूक्या पाहुणा, पंथीसब नरनार ॥ १ ॥
सकलसौंज त्यारीकरी, भरेबहुत भंडार ।
आपआपकी पंगती, जुडिआयो संसार ॥ २ ॥
पनवाडा देवालग्या, नोबत सरूकराय ।
देवपुरूसण आविया छांबालई भराय ॥ ३ ॥
चढविमाण सुरकन्यका, मंगलबढित अपार ।
सुरपुरतै सोभितअधिक, पुष्पन वृष्टि प्रहार ॥ ४ ॥

॥ पंदरागदेस सोरठा ॥

देपनवाडे परुसणलागा निजकरसौं गिरधारी ॥ अपणी अपणी पंगतबैठो गुलकन्दकी मनुहारी ॥टेर ॥ मोहनभोग औरप चधारीलपसी अधिकसंवारीजी ॥ मोतीचूर खीर अरुखाजा घेवर सरससँबारी ॥ १॥ देपनवाडापरु० ॥नुखती गूँजा ओरहेसमी मोदक ओरकसारी जी ॥ कलाकन्द बरफीअरु फीणी ॥ खुरमा नरम अपारी॥२॥ देपनवाडापरुसण०॥पूवा ओरजलेबीताजी ॥ सरस खिजूर तयारीजी ॥ सकरपारा ओरइमृती ॥ सुठडी सुरकि सुधारी ॥ ३ ॥ देपनवाडापरुसण ० ॥ ठोरखांखरी ओरखरखरी॥ गूँदपाक अतिभम्रीजी ॥ सेवसिंगाडा औरचिरौंजी ॥ पैडा मगद अपारी ॥ ४ ॥ देपनवाडापरुसण० ॥ भुजियोपेठो बडा कचोरी वैगण बडा पकोरीजी ॥ दसमी दूधपुरीअरु खांजा ॥ पापर ओ-

रपितोरी.॥ ५ ॥ देपनवाडापरुसण० ॥ कैर करेली ओरमंगोरी ॥ रायता स्याक सुधारीजी ॥ चावल मूंग घीरत अरुबूरो ॥ व्यंजन बहूपरकारी ॥ देपनवाडापरुसणलागा ॥ निजकरसौ० ॥

भातकेसरया पूरणपूरी ॥ रामखीचडीत्यारी ॥ निंबूकेरीओ-रआंवलां ॥ चटनी मिरच अचारी ॥ ७ ॥ देपनवाडापरु० ॥ अग्यांभईग्रास सबलीनो ॥ देवकरै परुसारी जी ॥ पंखा पवन-करतलक्ष्मीजी ॥ जीमणकी मनुहीरी ॥ ८ ॥ देपनवाडापरु स० ॥ सांवलसहाकर रतनकटोरो ॥ अंत्रभरी पिचकारीजी ॥ नागर जीम लयो सब अचवन ॥ जीमी नगरीसारी ॥ ९ ॥ देपनवाडापरुस० ॥ झोरझोर सगरी नगरीमै ॥ कुलमैं सो बन थारीजी ॥ कांसाभाणा दियोउवारो ॥ सबकूंपान सुपारी ॥ १० ॥ देंपनवाडापरुसण० ॥ नोबतनाद बजैसुरनाई ॥ मंगल गावत नारीजी ॥ रीझमोझ सबहीकूं दीनी ॥ नगरकमीणरुकारी ॥ ११ देपनवाडा परुसणलागा ॥ निजकरसौ गिरधारी ॥ अ-पणीअपणी पंगतबैठो ॥ गुलकंदकी मनुहारी ॥

दोहा—नरनागरिसब नम्रके, त्रपतिभये भरपूर।
सुखसारण पुनिलेगये, पठनदिसावर दूर ॥ १ ॥

इति श्रीभक्तवछलबिडदरागकोतूहलनरसीमेहताको माहेरोनवमप्रकाशः ॥ ९ ॥

दोहा—आपअरोगो सांवरा, सबसंतनलेलार।
नरसीजी सबपाहुणा, समदण गावैगार ॥ १ ॥
नरसीसंग श्रीरंगके, बाई रुकमणसंग।
संतनकेसंग सांवरो, जीमतराच्यो रंग ॥ २ ॥

पदरागबिहार ॥

लालाजीकूं किसविध गालीगवाँ॥ थारीकीरत सकलसुणावां ॥ टेर ॥ मातगुणीसबीसपितुसुनबिनु ॥ नारअनेक बतावां ॥ दधिकेचोर छाछके दानी ॥ बलिघर भीखबतावां ॥ १ ॥ लालजीकूंकिसवि० ॥ जादवछोक अहीरलालजी ॥ काईकांई कहवत लावां ॥ मोहनीरूप धरयो शिवआगै॥ किणकीनार सुनावां॥२॥-लालजीकूं किस० ॥ भुवातुह्मारी कुंतीकहिये ॥ करण कुमारी जायौ ॥ बहनतुह्मारी कहत सहोदरी॥ अरजुन लेकर धायौ॥३॥ लालजीकूं किसवि ०॥ सत्राजीत तुह्मारोही काको ॥ जाहववंस जितावां ॥ तासुसुता सतभामा पणया ॥ कीरतसकल बतावां ॥ ॥ ४ ॥ लालजीकूं किसबिध ०॥ चंद्रवंशी गुरुपतनीदूषित ॥ बूध जन्म हमगवां ॥ समदणकहे तुमसुणोहो सांवरा ॥ तुमरोपार नपावां ॥ ५ ॥ लालजीकूं किसबिधगाली गावां ॥ थारीकीरत सकल सुणावां ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

कँवर तुमह्मैरकाहो लाला ॥ ओलखियारे अहीर ॥ टेर ॥ पितातुह्मारा वसुदेवजीहो ॥ बालाकैद किया नृपकंस ॥ मायतुह्मारी रोहीणीहो ॥ बालाभल्यो उजाल्योबंस ॥ १ ॥ कँवरतुह्मैरका ० ॥ नंदमहरकै घरवासीहो ॥ बालाजायो हलधरबीर॥बेटीजाई सोदराहो ॥ बालातज्यो कुवारीपीर ॥ २ ॥ कवरतुमह्मरका०

लक्ष्मीजी घरघरफिरीहो ॥ बालासबनर जाके जार ॥ घरमैदासी कंसकीहो ॥ लालप्यारी छांडीनार॥३॥कँवलतुमह्मैरका० ॥ राधा रुकमणी संगल्यायोहो ॥ बालाआया नगर अंजार ॥ नागरकुल रंगमाणियोहो ॥ लालासमदण गावैगार॥४॥कँवरतुम म्हैरकाहो॥ बाला थानैओलखियारे अहीर ॥ बलैवसुदेव काहोलाला ॥ औलखियारे अहीर ॥

पदरागजजैजैवंतीमल्हार ॥

येरी येरी माई सांवरा गिरधारीजीकूं दीज्यो मतगारीरी ॥ टेर ॥ जुगजुगरूप धारे ॥ नारीदेख मारिडारे ॥ गोतघावकर वेको ॥ बडेउपगारीहै ॥ १ ॥ येरीयेरीमाई० ॥ गौतमकीघरनी सोवापरी पखानभई ॥ तुरतउडायदीनी तारिकासिंघारीहै ॥ २ ॥ माईसांवरागि ॥ शूर्पनखाके कानकाटे लंकाहूकूं लूटलाटे ॥ नारीनाम पायोसीता अगनप्रजारीहै ॥ ३ ॥ माईसांवरा० ॥ थनको कराथोपान धायतिहूं लोकजानै ॥ बापुरी गरीबणीसों पूतना पछारीहै ॥ ४ ॥ माईसांवरागिर० ॥ कूबरीकूं ऐंचलीनी लंबीकर खैंचदीनी ॥ प्रानके बचेते रूपवंती प्रान प्यारी ॥ ५ ॥ माईसांवरागि० ॥ पेटमैपरत माई कैदकरवाय डारी ॥ मधमै लुटाय सारी गोपीगार डारीहै ॥ माईसांवरागि० ॥ गारीकोऊ जी नदीज्यौ ॥ सहजही बलैयालीज्यो ॥ नारीकोहनकमाधो सांवरो बिहारीहै ॥ ७ ॥ येरी येरीमाई० ॥

सोरठा—सुणसमदणकीगार, दोऊओर आनंद भयो ॥
जीमत अतिमनुहार, चलत परसपरविपुलमन ॥ १ ॥

दोहा—करभोजनअचवनलयो, पोंछनदियोनिकार ॥
अतिपाचक अतिअमियसम, सुकृष्णकरी मनुहार ॥ २ ॥

बीरीदीनी पानकी, केसर लवंग इलाय ।
मृगमद ओरकपूरयुत, कथ्यो कलीमिलाय ॥ ३ ॥
नवनकरी सबपरसपर, बोलेजयगोपाल ।
रहससुणी श्रीरंगतणी, मुलके मोहनलाल ॥ ४ ॥
सेठाणी समदण तणैं, ढुलकर लागीपाय ।
बहुप्रकार बिनतीकरी, समदण कंठलगाय ॥ ५ ॥
तबसारथी रथसाजके, ह्नजररकीनो ल्याय ।
सकलसवारी त्यारकर, तुरियन जीणकराय ॥ ६ ॥
श्रीपतिरथ आरूढव्है, झाटकियो रूमाल ।
पातीमेकोरयां लगी ह्नोरांदई उछाल ॥ ७ ॥
तबनरसी चरणांलग्यो, बहुतबीनती कीन ।
हरि सुखते करिभक्तकूं, दोउकर मस्तकदीन ॥ ८ ॥
श्रीरंगजीतें वीनती, कीनी यदुपतिनाथ ।
कहि हमताबेदारहैं, जोरेदोऊ हाथ ॥ ९ ॥
तब श्रीरंग बहुविनयकर, कहिप्रभु दीनदयाल ।
अशरणशरण दयालहो. भक्तनके प्रतिपाल ॥ १० ॥
सुखी रहो आनंदते, हम लायक कछुकाम ।
लिखियो बहुत कृपालव्है, उहांतुह्मारो धाम ॥ ११ ॥
करीपरस्पर वीनती, नमस्कार करजोर ।
बहुत कृपा कर आइयो, श्रीरंगकही निहोर ॥ १२ ॥
द्वारावती पधारजो, कहगये गिरधरलाल ।
सबनागर नरनग्रके, बोलेजयगोपाल ॥ १३ ॥
भयेबिदा यदुनाथ तब, गये द्वारिकाधाम ।
रहेभक्त नरसीजबे, अरु सबसंत तमाम ॥ १४ ॥
धन्यधन्य नरनग्रके, कहैनरसीयोसंत ।

सुखसारण सारेप्रभू, ऐसेकांज अनन्त ॥ १५ ॥
सकल सराहत नीपजी, यो जगको व्यौहार ॥
सुखसारण देखैनही, नैपैसिरजनहार ॥ १६ ॥
इति श्रीभप्रवत्सलबिडद रागकोतूहल नरसीमेहेताको
माहेरो दसम प्रकाशः ॥ १० ॥

॥ रागसोरठ ॥

नेतुली खेतुली नणदल पाणीतो भरे ॥ बाईनै सुणायकर चुगली करे ॥ ऐसीकांई नरसीमेते माहेरो कियो ॥ कालकीजाईनें नहीं कापडो दीयो ॥ १ ॥ पाडोसणकी दोहतीनै भूलतोगया ॥ औरसारगांव माहेकापडा दिया ॥ आणदीकी नाणदीनी भाणीबाईनाम ॥ जानैनहीदीनो एककापडाको ठाम ॥ २ ॥ प्रेमली पाडोसण लडती आवे ॥ जाणकालो नागरोसोझपटांही बांहै ॥ पाटपातांवर सबन ओढायो ॥ भाणजारी दोहतीको कापडोनै आयो ॥ ३ ॥ सुणज्यो एलुगायांथेतो सगली जणी ॥ कापडाकै सारूछोरी रोईही घणी ॥ नानीबाई दोड जचाकनैगई ॥ कालकी जनोडीनै देखतो लई ॥ ४ ॥

दोहा—पाडोसण ऐसीकहै, मोढ्यो मोहिबताय ॥
केतोदेसी कापडो, नातोलेस्यू तालछिनाय ॥ १ ॥
नरसी मोहिबतायदे, तोकूरामदुहाइ ॥
कोस बराबर जाण न देऊँ, तोबावलकी जाइ ॥ २ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

पुतरीतो दोडपिताकनै गई ॥ एकतोझारा बाबाजी कापडा विनरही ॥ माहेरोभरयां मै हुई दोयतो घडी ॥ ओजू कूणजणी जणापर पटकी पडी ॥ पाडोसणकी भणजी कैदोयतीथई ॥ आख्यादेख आई बिनाकापडै रही ॥ लोनैझारा बाबाजीथे

एतोजस आज ॥ कापडा बिनातो मानै जातीदीसै लाज ॥ डेरा मेतोकोनी बाईबटकाको बीचार ॥ तुमडाचावेतो बाईलेजा दोय-चार ॥ फोडथारातुमडासरे तोनहींकाज ॥ कपडाविनातो मनैजा-तीदीसै लाज ॥ केतोबाबाजी मने कापडाई दो ॥ नहीतोथारो माहेरोदियोडो पाछोलो ॥ डेरामैनही छे एकआगलको बिचार ॥ कापडार साटेलेज्या मारी सवारूप्याकी ताल ॥ तालातो लेकरबाई बजाजीकेगई ॥ कपडोले दीनूछोरी दोवतीरई ॥

सोरठा—तालआडाणे मेल, बाइल्याईकापडो ॥
योकरतारो खेल, नरसी बिनतालांभयो ॥ १ ॥

॥ पदरागसोरठ ॥

ताताथेई नाचैनै बाजावै नरसीहाथ ॥ तालविहूणो करग्या ह्मारो द्वारकानाथ ॥ १ ॥ माहेरो भरयोतो थारीबेटीकै भरयो ॥ ताला तो बिहूणो नरसीमैतानै करयो॥२॥तूतोजाणै लोगनमाहेरो भरयो ॥ नरसीरी तालासुतेरयो कारज सरयो ॥ ३ ॥ एकहातके कादडो तू नाखदे गोपाल ॥ कापडलामैं गई रै ह्मारीसवारुपैयाकी ताल ॥ ४ ॥ रोजीना वजावतो रीझावतो गोपाल ॥ पोकरजाकै मेलैलीनी सवारुप्यामै ताल ॥ ५ ॥ जदमेतानरसीजीने करुणा करी ॥ इंदरआताने लागी एकघंरा ॥ बरछेसेकापडाने माचे छे सोक॥ छीदीछीदी ह्मोरा बरसे रुपया बरसे रोक ॥ ७ ॥ बरसे कापडान लागरही धार ॥ डरपणलागो सारोहीनगर अंजार ॥८॥ सवासवामणकातो कापडापैरे ॥ पेमलीपडोसण का टापरा गिरे ॥ ॥ ९ ॥ वडोडा जेठजीकी टूटगी पठी ॥ लोडक्या जेठजी फूटगी घडी॥१०॥नानीबाई हंसैसुखफूलझडै॥देखोह्मारी सासूजीपर जरी कपडै ॥ ११ ॥ बरसैछे कापडाने टूटगया होट ॥आछ्याआछ्या देखसासू बांधलीज्यो पोट ॥ १२ ॥ दोरणी जेठाणी मारै उबीऊ

बी बांग।॥ नगणदीवारियांरी टूटगई टांग ॥ १३ ॥बाज्यो झरना टोनैपुकार्‍यो सारोसाथ ॥ पेमली पाडोसणको टूटगयो हाथ ॥ १४ ॥ इसडोतो मेहआज पेलीनै बूठो। छोटकी नणदोलीरो-कानडो टूटो ॥ १५ ॥ कपडोतो लेरबाई बजाजीकै गई। ताळांतो छुडाय मैतानरसीजीनै दई ॥ १६ ॥ थेतो ह्मारावाबाजीएताळां थाकी लेवो। मिनख मरेछै अबै थांबलोमेवो ॥१७॥ थारांये कुटं-बसूं बाईनरसीलो डरै। बडाबडा पेटवाली मोकलीफिरै ॥ १८ ॥ ताळ ांतो छुडायलाई नानीबाई कांई। अबकै कोईजणै ह्मारीमरदं गनैसाई ॥ १९ ॥

दोहा —बाईकहे सुणबापजी, धाप्यो सबसंसार ॥
पडवालागा टापरा, दाटण लगी अंजार ॥ १ ॥
तब नरसी करजोर कह, सुनियो कृपानिधान ॥
अबप्रभु मेहाथांबद्यो, दुखित सकलजनजान ॥ २ ॥
बिदा भये नरसीतबै, सबतें करिप्रणाम ॥
भई परस्पर बीनती, गवने निजानिजधाम ॥ ३॥
तबगाडूली हांकके, सन्तलए सब संग ॥
चले मृदंग बजावते, पदगावत रुचिरंग ॥ ४॥
एकमास दसदिवसलों, पन्थचले अतिधाय ॥
कुशलक्षेम आनन्दसों निजघर पौंचे आय॥ ५ ॥
माघमास सुदसप्तमी, पुष्यअरूरबिवार ॥
माहेरो नरसीतणो, सांवलभर्‍यो अंजार ॥ ६ ॥
सोलैसै सोलौ तडो, विक्रम संवतजाण ॥
चवदासे अकियासिया, साके सालीवान ॥ ७ ॥
भक्ताकै हितकारणै, जदहरि बांध्यामोड ॥
मोहेरोमें रुपैया, लागा छिपनकिरोड ॥ ८ ॥

जोगावै साख सुणौ, बैकुणठाको बास ॥
हरिनामें रतनोंबसै, हरिभक्तनको दास ॥ ९ ॥
लिखैपढै गावेसुणा, कहेकहावै कोय ॥
खातीरतनों यूभणे, गौसहस्र फलहोय ॥ १०॥
माहेरो नसीतणौ, कैरतान करमान ॥
ज्ञानबढै गुणऊपजै, गङ्गातणास्नान ॥ ११ ॥
महिमा माहेरातणी, खातीकही बणाय ॥
सहजमुक्तिपावैसही, जन जमपुर नहिंजाय ॥ १२॥
भक्तिऊपजे भयमिटै, असरघा सरकीकाज ॥
नुखतासकल निवाजसी, सांवलसहा महाराज ॥ १३ ॥
सुखसारण किरपाकरी, सदगुरु दईसुबुद्ध ॥
बिरजलाल शिवकरण यह सोधकरयो आतिसुद्ध ॥ १ ॥
ग्रन्थपुरातन आदिको, परतमिली मनभंज ॥
अतिमेहनत बहुकष्टतें, सोधरुकरयो तरंज ॥१५ ॥
द्विजगुणेस सीकरतणौ, आदिगौड कुलसार ॥
कंठहुतो जिनकोजितो; मुखतेलयो उतार ॥ १६ ॥
कछुपद नये बणायकर, अगलेदये सुधार ॥
नयेमिलाये अन्तरे, असुभदये सबटार ॥ १७ ॥
दोहासकल नयेधरे, अरुसोरठा नवीन ॥
गुणिजन गायन भक्तिहरि, सबहिरसिक करलीन ॥१८॥

इति श्रीभक्तवत्सलबिडदरागकोतूहलनरसीमेहेताको माहेरो एकादशः ॥ ११ ॥

इति नरसीमेहेतोको माहेरो समाप्तः ।